



न्यूज डायरी

**रेल यात्रियों को ₹20 में मिलेगा पूड़ी, सब्जी-अचार**  
नयी दिल्ली। देश में चुनावी मौसम शुरू होते ही भारतीय रेलवे को गरीबों की याद आने लगी है। इसी क्रम में अब जनरल डिब्बे में यात्रा करने वालों के लिए मात्र 20 रुपये में पूड़ी-सब्जी उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

**टीएसपीसी का जोनल कमांडर रोहित धराया**  
रांची। टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के जोनल कमांडर रोहित गंडू को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त सूचना मिली थी कि टीपीसी जोनल कमांडर विनोद महतो उर्फ मुरारी गिरोह का सक्रिय सदस्य रोहित गंडू बुढ़म बाजार आया हुआ है।

**पार्थ चटर्जी के खिलाफ जांच की मिली अनुमति**  
कोलकाता। शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई को पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के खिलाफ जांच शुरू करने की अनुमति मिल गयी है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सीबीआई को मुकदमा शुरू करने का आदेश दे दिया है।

**रांची : स्कूल बस दुर्घटना में कई बच्चे हुए गंभीर**  
रांची। शहर के ओरमांडी थाना क्षेत्र स्थित इरबा में बुधवार को माउंट कारमेल स्कूल की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। जिसमें बस सवार 12 से अधिक बच्चे घायल हो गये। सभी बच्चे वयोरेखा ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराये गये हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर बतायी जा रही है।

**सेना के टेंट में आग से एक अधिकारी की मौत**  
नयी दिल्ली। लद्दाख के सियाचिन में बुधवार को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में एक टेंट में आग लगने से सेना के एक कैप्टन की मौत हो गयी, जबकि एक लिफ्टनेंट कर्नल सहित तीन अन्य सैनिक घायल हो गये।

**एनडीए-इंडिया से अलग हैं 11 राजनीतिक दल**  
नयी दिल्ली। देश के 65 राजनीतिक दलों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग/एनडीए) और इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्वेलुसिव एलायंस (इंडिया) दोनों में से किसी एक मोर्चे का साथ चुन लिया है, लेकिन 11 महत्वपूर्ण दल ऐसे भी हैं जो अब तक किसी पाले में नहीं हैं। इन 11 दलों के कुल 91 सांसद हैं।

**परिजनों से दुर्व्यवहार में खूंटी का डॉक्टर सस्पेंड**  
खूंटी। मरीज के परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार करने पर सदर अस्पताल के डॉ. विपिन फुलजेंस खलखो को निलंबित कर दिया गया है। जिला प्रशासन की अनुशंसा पर सरकार के संयुक्त सचिव विद्यानंद शर्मा ने आदेश जारी किया है।

**पटना लाठीचार्ज की रिपोर्ट अध्यक्ष को सौंपी**  
नई दिल्ली/रांची। बिहार के पटना में भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के घायल होने और एक कार्यकर्ता की मौत के संबंध में गठित जांच कमेटी ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा को सौंपी।

**गवर्नर ने लिया स्टेट गेस्ट हाउस का जायजा**

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को कांके रोड स्थित राजभवन के मदरा मुंडा राजकीय अतिथिशाला का अवलोकन किया। साथ ही वहां व्यास सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

**गहना आभूषण**  
बोना (बिक्री) : 56,700 रु./10 ग्राम  
चांदी : 78,000 रु. प्रति किलो

## संसद का मानसून सत्र आज से, विपक्ष ने कसी कमर, सर्वदलीय बैठक में गिनाये मुद्दे सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के 20 जुलाई से प्रारंभ होने वाले मानसून सत्र से पहले बुधवार को आयोजित सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने मणिपुर की स्थिति पर पीएम मोदी मोदी के बयान की मांग, ओडिशा रेल हादसे, भारत-चीन सीमा स्थिति, महंगाई, संघीय ढांचे पर प्रहार जैसे मुद्दों पर चर्चा कराने एवं महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने कहा। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार मणिपुर की स्थिति के बारे में चर्चा कराने की विभिन्न दलों की मांग पर सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। आसन की अनुमति एवं संबंधित नियमों के तहत सदन में सभी मुद्दों पर चर्चा कराया जा सकता है। केंद्र सरकार की तरफ से बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक में सत्र से संबंधित कई मुद्दों पर विमर्श हुआ। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो कर 11 अगस्त तक चलेगा।

गैंगुल्लू पर नकेल की रणनीति तैयार, डीजीपी ने ली एसपी की वलास

## राज्य की जेलों से तड़ीपार होंगे मोस्ट वांटेड अपराधी

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। झारखंड की जेलों से अपराधी को हड़कमत चला रहे अपराधियों को अलग तड़ीपार किया जायेगा। डीजीपी अजय कुमार सिंह की ओर से राज्य भर के आईपीएस अधिकारियों की बुलाई गई हाईलेवल मीटिंग के दौरान यह फैसला लिया गया। इस बाबत सभी एसपी को सक्रिय अपराधियों की सूची मांगी गई है, ताकि उस पर जल्द कार्रवाई की जा सके।

**झारखंड के कुख्यात अपराधियों को दूसरे राज्य में शिफ्ट करने की तैयारी** : झारखंड में हाल के दिनों में बड़ी आपराधिक घटनाओं को देखते हुए डीजीपी अजय कुमार सिंह ने पुलिस मुख्यालय में हाई लेवल समीक्षा बैठक की।

**डीएसपी-दरोगा पर गोलीबारी को लेकर मुख्यालय गंभीर** : पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में



**ताली एक हाथ से नहीं बजती** : सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेने के बाद लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ताली एक हाथ से नहीं बजती। अगर सरकार सदन चलाना चाहती है तो उसे विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका देना चाहिए।

कांग्रेस ने सरकार से मणिपुर की स्थिति एवं ओडिशा रेल हादसे जैसे मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग की। विपक्ष ने मणिपुर स्थिति पर पीएम के बयान की भी मांग की। उन्होंने कहा कि हम पहले दिन इस मुद्दे पर सदन में कार्यसंयोजन प्रस्ताव लाना चाहते हैं क्योंकि

कार्य मंत्रणा समिति की बैठक

शिरोमणि अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल ने संवाददाताओं से कहा कि लोगों का पैसा बर्बाद नहीं होना चाहिए और सदन में कामकाज चलना चाहिए। सुर्जों ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा बुलाई गयी कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में कहा कि सरकार मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर संसद में चर्चा को तैयार है। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई को होगी। सत्र 11 अगस्त तक चलना प्रस्तावित है। इस दौरान संसद के दोनों सदन की कुल 17 बैठकें प्रस्तावित हैं। सत्र शुरू होने के पहले सर्वदलीय बैठक की परंपरा रही है।

मणिपुर की स्थिति खराब हो रही है। बीजद के राज्यसभा सांसद सतिमत पात्रा ने कहा कि उनकी पार्टी ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने की मांग की, जिसे कई दलों का समर्थन मिला।

(शेष पेज 11 पर)

## भारत-ए ने पाकिस्तान को आठ विकेट से रौंदा

एजेंसी

नयी दिल्ली। धाकड़ बल्लेबाज साई सुदर्शन के शानदार शतक की बदौलत भारत ए ने इमर्जिंग एशिया कप में पाकिस्तान-ए को 8 विकेट से रौंदा कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। 21 जुलाई को भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। भारत की इस टूर्नामेंट में यह लगातार तीसरी जीत है। सुदर्शन 110 रन पर 104 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाये। यश दुल की कप्तानी में भारत ए की युवा टीम लगातार छठे मैच में जीती है। टॉस जीत कर पहले खेलते हुए पाकिस्तान को भारतीय गेंदबाजों ने 205 के स्कोर पर समेट दिया था। इंडिया-ए टीम की तरफ से ऑलराउंडर राजवर्धन हेंगरकर ने

इमर्जिंग एशिया कप

□ साई सुदर्शन ने टोका शतक सेफ में पहुंची टीम इंडिया



कमाल ने पांच विकेट लेकर पाकिस्तान के बैटिंग ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया। आठ ओवरों की गेंदबाजी में उन्होंने 42 रन खर्च कर सर्वाधिक पांच विकेट हासिल किये।

(शेष पेज 11 पर)

## सीएम ने 188 योजनाओं की दी सौगात, लाभुकों में बांटी परिसंपत्ति बेहतर शिक्षा के साथ खेलों पर भी सरकार का जोर : हेमंत

- राज्य के विकास को गति दे रही है झारखंड सरकार
- राज्य में शुरू हुई नियुक्ति प्रक्रिया अब चलती रहेगी

खबर मन्त्र व्यूरे

**रांची/गिरिडीह**। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। यह सरकार हर किसी की बात सुनती है और उसका समाधान करती है। उन्होंने कहा कि अब निजी विद्यालयों से भी बेहतर शिक्षा सरकारी विद्यालयों में देनी की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिये हैं। वहीं राज्य में खेल और खिलाड़ियों के विकास की दिशा में भी कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। राज्य में बेरोजगार के लिए नियुक्ति की

## लटकाना नहीं समाधान का काम हो रहा है



बाबत अधिकारियों को कई निर्देश दिये गये हैं। कहा कि हमारी सरकार समस्याओं को लटकाने की बजाये, दुमुरी में योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास एवं परिसंपत्ति वितरण

सीएम ने कहा कि झारखंड बने दो दशक से ज्यादा हो चुके हैं, पर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार एवं कई अन्य क्षेत्र में राज्य वासियों की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकी हैं। हमारी सरकार विभिन्न चुनौतियों के बीच लगातार राज्य के विकास को गति दे रही है। बड़े पैमाने पर नियुक्ति प्रक्रिया हमने शुरू कर दी है। यह आगे भी यह जारी रहेगी। प्रतियोगिता परीक्षाओं का रिजल्ट समय पर प्रकाशित हो और इसमें पूरी पारदर्शिता का ख्याल रखा जाये, इस

प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। सीएम श्री सोरेन बुधवार को गिरिडीह के दुमुरी में योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास एवं परिसंपत्ति वितरण

समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के साथ लगातार संवाद कर रही है। मैं भी लगातार क्षेत्र भ्रमण कर रहा हूँ,

ताकि योजनाओं की जमीनी हकीकत के साथ आपकी समस्याओं को जान-समझ सकूँ। (शेष पेज 11 पर)

## डीएसपी को गोली मारने वाला बाँबी साव गिरफ्तार

लोहरदगा में एक पुलिस के घर से एटीएस ने दबोचा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रामगढ़ जिले के पतरातू में डीएसपी नीरज कुमार और दरोगा सोनू साव को गोली मारने वाला अपराधी बाँबी साव को एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना को अंजाम देने के बाद बाँबी और उसकी पत्नी बिनीता मंगलवार रात को लोहरदगा के भंडरा थाना क्षेत्र के भीरों गांव में अपने फूफा ससुर शिशिर प्रजापति के घर छिपा था। शिशिर झारखंड पुलिस में आरक्षी चालक के पद पर

कोयला कारोबारी गोलीकांड में भी था शामिल



अधिकारियों और अन्य व्यापारियों को जान से माने की धमकी देकर उनसे मोटी रंगदारी वसूलने का काम करते थे।

कार्यरत है। एटीएस टीम को इसकी भनक लग गयी थी। इसके बाद बाँबी को पकड़ने के लिए एटीएस और पतरातू पुलिस भीरों गांव पहुंची। उस वक्त घर में शिशिर की पत्नी, बेटी और बेटा मौजूद

था। एटीएस की टीम ने बाँबी को गिरफ्तार किया और अपने साथ रांची ले आयी। इसके बाद बुधवार को सुबह बाँबी की पत्नी व्यास अपने घर चली गयी। (शेष पेज 11 पर)

## झारखंड में बढ़ रहे अपराध पर हर हाल में लगायें लगाम : गृह सचिव

रांची। झारखंड के गृह सचिव अविनाश कुमार ने बुधवार को सभी जिलों के एसपी के साथ बैठक कर कहा कि पुलिस नये अपराधियों पर विशेष निगरानी रखे। जमीन के विवाद सहित बुजुर्गों की समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करें। गृह सचिव सभी जिलों में अपराध नियंत्रण के लिए की गयी कार्रवाई की अद्यतन जानकारी भी ली। उन्होंने ड्रस नेटवर्क का पता कर सॉलपन अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये। संगठित रूप से किये जाने वाले अवैध उखनन (कोयला, आयरन ओर, बालू और पत्थर) पर पूर्णतः रोक लगाने, शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास बेचे जाने वाले ड्रस पैसलर्स को चिह्नित कर गिरफ्तार कर उसपर रोक लगाने का निर्देश दिया।

**समय और स्थान बदलकर वाहन चेकिंग कराने के निर्देश** : डीजीपी ने सभी जिला में समय और स्थान बदलकर वाहन चेकिंग कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, टेंपो स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थानों के आस-पास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। ताकि अपराधियों और अशामाजिक तत्वों का जमावड़ा नहीं लगे और छोटे-छोटे अपराधों पर भी लगाव लगाया जा सके।

## मुझे किसी पद का लालच नहीं : नीतीश

एजेंसी

नालंदा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किसी भी तरह की नाराजगी की खबरों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि उनको किसी पद का कोई लालच नहीं है। 26 दलों के नेताओं के बीच अच्छी बातचीत हुई है। मुझे पूरा भरोसा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बेहतर परिणाम आयेगा। बेंगलुरु में विपक्षी दलों की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में नीतीश कुमार के मौजूद नहीं रहने को लेकर लगातार कयास लग रहे थे कि वह नाराज हैं।



बुधवार को नालंदा में उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि इस तरह की खबरें

## अवानक तेजस्वी से मिलने राबड़ी आवास पहुंचे

बुधवार शान अवानक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद प्रमुख लालू यादव और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से मिलने राबड़ी देवी के आवास पर पहुंचे। सीएम ने वहां तेजस्वी से करीब 20 मिनट तक बंद कमरे में बातचीत की। नीतीश बिना लाव-लस्कर के अवानक वहां पहुंचे थे। सुर्जों के मुताबिक राजनीर मेल के आयोजन को लेकर चाचा-जतीजे के बीच तनाव है। दर असल, मलनास मेल में न तेजस्वी नये थे और न ही विमानलय मंत्री आलोक मेहता पहुंचे थे। खास बात यह है कि तेजस्वी यादव का विमान हय सरकार की कार्यकम का आगोजक था, इसके बावजूद मेजबान ने आगे ही कार्यकम का बहिष्कार कर दिया। पिछले दिनों राजनीर में लगे पॉइटर से भी डिप्टी सीएम गायब थे। इस मुकामकत से दौरान नीतीश ने लालू से केबिनेट विस्तार को लेकर चर्चा की। कतिंक सिंह और सुधाकर सिंह के इस्तीफे के बाद मंत्रिमंडल में राजद कोटे की दो सीट खाली हैं। वहीं कांग्रेस कोटे से भी एक या दो विधायक मंत्री बन सकते हैं। जहाँ नामों को लेकर दोनों के बीच चर्चा हुई है। माना जा रहा है कि जल्द ही केबिनेट का विस्तार हो सकता है। यह भी चर्चा है कि इंडिया की पहली संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नीतीश कुमार और लालू यादव मौजूद नहीं थे, उसको लेकर भी कई तरह के कयास लगे रहे हैं। माजपा का दावा है कि संयोजक नहीं बनाये जाने से नीतीश नाराज हैं।

निराधार है। उन्होंने कहा कि अच्छे माहौल में सभी दलों के बीच बातचीत हुई है। भाजपा के नेताओं का काम ही है वेमतलब की बात

करना, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। (शेष पेज 11 पर)

## राज्यपाल ने लौटाया जैन यूनिवर्सिटी बिल, पूछ गड़बड़ियों की जांच कहां तक पहुंची

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राज्य विधानसभा द्वारा पारित जैन यूनिवर्सिटी बिल पर आपत्ति जताते हुए उसे राज्य सरकार को लौटा दिया है। उन्होंने सरकार से पूछा है कि राज्य में पहले उल्लेख करते हुए राजभवन ने उसे मुख्य सचिव और विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया है। राजभवन ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को लेकर इसके पहले भी 16 जून और 13 जुलाई को सरकार की प्र लिखकर जांच रिपोर्ट और कार्रवाई की जानकारी मांगी थी।

विशंगतियां : राज्यपाल ने बिल के हिंदी-अंग्रेजी ड्राफ्ट में अंतर और कुछ तकनीकी पहलुओं पर भी सवाल उठाया है। जैन यूनिवर्सिटी की स्थापना का बिल विधानसभा ने 21 मार्च 2023 को बजट सत्र के दौरान पारित किया था। विधेयक पर राज्यपाल की आपत्तियों का उल्लेख करते हुए राजभवन ने उसे मुख्य सचिव और विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया है। राजभवन ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को लेकर इसके पहले भी 16 जून और 13 जुलाई को सरकार की प्र लिखकर जांच रिपोर्ट और कार्रवाई की जानकारी मांगी थी।





खबर एक नजर में

**बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिले सुदेश महतो**

रांची। आज सू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने नई दिल्ली में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान राज्य की वर्तमान स्थिति और अन्य विषयों पर चर्चा की।

**पूर्व मंत्री नलिन सोरेन की याचिका पर फैसला सुरक्षित**

रांची। पूर्व मंत्री और सत्ताधारी दल जेएमएम के वरिष्ठ विधायक नलिन सोरेन की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सभी पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अब अदालत का क्या फैसला सुनाता है यह देखना महत्वपूर्ण होगा। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम चौधरी की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। विधायक नलिन सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता आरएस मजूमदार और रोहन मजूमदार ने बहस की। उनकी ओर से दायर याचिका में कहा गया कि एक ही आरोप के लिए दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसे रद्द किया जाना चाहिए। नलिन सोरेन फिहाल शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और बीज घोटाला केस में आरोपी हैं।

**टेरर फंडिंग मामले में डे टू डे गवाही जारी**

रांची। चतरा के टंडवा स्थित मगध व अन्नपाली कोयला परियोजना के टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में डे-टू-डे गवाही जारी है। एनआईए के विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत में बुधवार को जयराज बाजिया की गवाही दर्ज की गई। गवाह को बचाव पक्ष की ओर से जिरह किया गया। मामले में बिदेश्वर गंडू, आधुनिक पावर के तत्कालीन महाप्रबंधक महेश अग्रवाल, बीकेबी ट्रांसपोर्ट के उपाध्यक्ष विनीत अग्रवाल, सोनू अग्रवाल उर्फ अमित अग्रवाल, कारोबारी सुदेश केंडिया, ट्रांसपोर्टर सुभांशु रंजन उर्फ छोटू सिंह, अजय सिंह, मास्टरमाइंड सुभान खान समेत अन्य आरोपी ट्रायल फेस कर रहा है। दखिल चार्जशीट के अनुसार इन लोगों पर सीसीएल, पुलिस, उग्रवादी व शांति समिति के बीच समन्वय से टेरर फंडिंग हो रहा था। तृतीय प्रस्तुति कमेटी को फंड देने की पुष्टि हुई है। टीपीसी को लेवी देने के लिए ही उसने ऊंची दर पर मगध और अन्नपाली प्रोजेक्ट से कोयला ढुलाई का ठेका लिया गया था। मालूम हो कि एनआईए चतरा जिले के टंडवा थाना में दर्ज प्राथमिकी कर फरवरी 2018 को टेकओवर करते हुये 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दखिल की है।

**मनी लॉन्ड्रिंग का आरोपी मनोज पुनाभिया की याचिका खारिज, ट्रायल कोर्ट में होना पड़ेगा सशरीर हाजिर**

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी मनोज कुमार बाबूलाल पुनाभिया की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया है। मानववादी को सभी पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की अदालत ने मनोज पुनाभिया की याचिका पर सुनवाई की। पुनाभिया ने ईडी कोर्ट में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायिल की थी। अदालत के इस फैसले के बाद उन्हें निचली अदालत में चल रही सुनवाई के दौरान सशरीर हाजिर होना पड़ेगा। ईडी ने साल 2009 में इस मामले में मधु कोड़ा, अरविंद व्यास, मनोज कुमार बाबूलाल पुनाभिया, अनिल बस्तावडे, विनोद सिन्हा और विकास सिन्हा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। फिलहाल ईडी कोर्ट में इसका ट्रायल चल रहा है।

**मानदेय के लिए सुपरिटेंडेंट से गुहार पोस्टल इंस्पेक्टर की प्रताड़ना से तंग आकर पोस्टल कर्मी ने छोड़ी नौकरी****खबर मन्त्र व्यूटो**

रांची। उग्रवाद प्रभावित चतरा जिले में अधिकारियों की प्रताड़ना से तंग आकर एक कर्मी ने नौकरी छोड़ दी। मामला जिले के हंटरगंज डाकघर की है, जहां सौरव कुमार सिंह नामक पोस्टल कर्मी पिछले 6 वर्षों से वैकल्पिक डाकपाल के रूप में काम कर रहा था। पिछले कुछ महीनों पहले पोस्टल विभाग के इंस्पेक्टर की बदली हो गई और नए इंस्पेक्टर के रूप में रोहित वर्मा ने ब्याधान संभाला। ब्याधान के पश्चात सबसे पहले उन्होंने कर्मचारियों की मानदेय राशि पर रोक लगा दी और बाद में 20,000 रिश्वत की मांग के बाद मानदेय भुगतान का आश्वासन दिया। रोहित वर्मा ने रिश्वत नहीं देने वाले कर्मियों को या तो हटा दिया या तो मानसिक

प्रताड़ना इतनी दी, कि लोग स्वतः नौकरी छोड़ने के लिए विवश हो गये। सौरव कुमार सिंह का मानदेय पिछले 7 महीना से रुका हुआ है। उन्होंने मानदेय भुगतान के लिए डाक अधीक्षक हजारीबाग से गुहार लगाई है। इस संबंध में उन्होंने स्थानीय सांसद सुनील कुमार सिंह और मंत्री सत्यानंद भोक्ता से भी मानदेय दिलाने की गुहार लगाई है। चतरा जिला में हंटरगंज डाकघर सिर्फ एक उदाहरण है। ऐसे कई डाकघर हैं, जहां से प्रत्येक माह इंस्पेक्टर द्वारा लाखों रुपए की अवैध कमाई रिश्वत के रूप में की जा रही है। यदि इस तरह के मामले की उच्च स्तरीय जांच हो तो भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारी बेनकाब होंगे। ऐसे अधिकारियों के कारनामों के कारण है सरकार की छवि धूमिल हो रही है।

**मार्केटिंग बोर्ड की बैठक में बाजार समितियों की आय बढ़ाने पर चर्चा, मिला आश्वासन****बाजार समिति की दुकानों का बढ़ेगा किराया : चेयरमैन**

किसानों और एफपीओ को मिलेगी साइकिल, ट्राई साइकिल और ई-रिक्शा

बाजार समितियों में बनेगा मजदूरों के लिए रैन बसेरा और हाट बाजारों में किसानों के लिए मिनी कोल्ड स्टोरेज



एक नजर में किराया बढ़ोतरी (रुपये में)

कमेटी का नाम	पहले	बढ़ा किराया
डाल्टनगंज	3.75	4.50 रुपये
गुमला	3.50	10.00 और 35.00 रुपये
लोहरदगा	3.50	11.00 रुपये
सरायकेला	3.75	6.00 रुपये
चाईबासा	3.75	14.00 रुपये
दुमका	3.75	7.00 रुपये

समृद्ध बनाने के लिए समिति के दुकानों और गोदामों का किराया बढ़ेगा। राज्य की कुछ कमेटियों ने पहले ही किराया बढ़ा दिया है। इनमें डालटेनगंज, गुमला, लोहरदगा, सराइकेला, चाईबासा

**झारखंड में रिन्यूएबल एनर्जी के माध्यम से पावर जेनरेट करने का लक्ष्य****खबर मन्त्र व्यूटो**

रांची। मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने कहा है कि जस्ट ट्रांजिशन झारखंड में विकास की नई रूपरेखा तय करेगा। श्री सिंह बुधवार को होटल रेडिशन ब्लू में आयोजित लोकार्पण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। यह आयोजन वन विभाग एवं झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पंढ के सुयंक्त तत्वावधान में सीड द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को बढ़ते संकट को रोकने के लिए विजन 2070 के नेट-जीरो



लक्ष्य को प्राप्त करने की बात कही गई है। इसमें टास्क फोर्स की भूमिका अहम होगी। नवंबर 2022 में ही झारखंड इस दिशा में टास्क फोर्स गठन करने वाला देश में पहला राज्य है। उन्होंने सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन के विजन डॉक्यूमेंट नव निर्माण की ओर अग्रसर पुस्तक का विमोचन भी किया। उन्होंने

कहा कि सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन टास्क फोर्स राज्य ही नहीं, बल्कि भारत के क्लाइमेट चेंज से संबंधित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों और ग्रीन इकोनॉमी के रास्ते पर चलने के लिहाज से बेहद अहम है। यह टास्क फोर्स राज्य की भावी दशा और दिशा के लिए बेहद निर्णायक पहल है।

**राज्य को मिले 24 नये आइपीएस अधिकारी राज्य में कुल 45 आइपीएस का पोस्ट, 24 थे रिक्त****खबर मन्त्र व्यूटो**

रांची। झारखंड को 24 आइपीएस मिल गए हैं। यूपीएससी ने इस संबंध में मुहर लगा दी है। सेलेक्शन कमेटी की बैठक में डीएसपी से एस्पी रैंक में 24 अधिकारियों को प्रमोशन देने पर सहमत बनी थी। यूपीएससी की सेलेक्शन कमेटी की मिनट्स जारी होने के बाद इस संबंध में अधिसूचना बुधवार को जारी कर दी गई।

बता दें कि झारखंड में खेल कोटा से बहाल हुई सरोजनी लकड़ा और अमेलडा एक्का भी आइपीएस बन गई हैं। वहीं सेकेंड बैच के डीएसपी रहे सादिक अनवर रिजवी, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार पांडेय, विजय

**19 जून को हुई थी सलेक्शन कमेटी की बैठक**

गौरतलब है कि यूपीएससी में प्रमोशन के लिए सलेक्शन कमेटी की बैठक 19 जून को हुई थी। जेपीएससी के दूसरे और तीसरे बैच के वरीय अफसरों को एस्पी रैंक में प्रोन्नति मिली है। झारखंड पुलिस में 2017, 2018, 2019 और 2020 बैच की रिक्तियों को लेकर बैठक हुई थी। यूपीएससी के सलेक्शन कमेटी के द्वारा जारी अधिसूचना के बाद प्रोन्नति से भरे जाने वाले आइपीएस के सभी पद भर लिए गए हैं। इससे पूर्व राज्य सरकार के गृह विभाग ने डीएसपी रैंक के अफसरों की वरीयता सूची व एसीआर भी यूपीएससी को भेजी थी।

आशीष कुजूर को भी आइपीएस का 2017 बैच आवंटित किया गया है। थर्ड बैच से दीपक कुमार शर्मा, राजकुमार मेहता, शंभू कुमार सिंह, अजय कुमार सिन्हा, अनुदीप सिंह, पूज्य प्रकाश, दीपक कुमार-1, सहदेव साव, अमित कुमार सिंह, अजीत कुमार, मुकेश कुमार,

दीपक कुमार पांडेय, अनिमेश नैथानी को आइपीएस 2019 बैच आवंटित किया गया है। जबकि अजय कुमार मेहता, शंभू कुमार सिंह, डॉ विमल कुमार मनीष टोपो, कैलाश कर्माली और पीतांबर सिंह खेरवार को आइपीएस का 2020 बैच आवंटित किया गया है।

**आदिम जनजाति को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा देगी सरकार, साढ़े चार करोड़ रुपये आवंटित****अपर मुख्य सचिव होंगे राशि के नियंत्री पदाधिकारी**

राशि के नियंत्री पदाधिकारी स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह होंगे, जबकि निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी संबंधित जिले के सिविल सर्जन होंगे। वे राशि की एकमुश्त अग्रिम निकासी कर जिला स्वास्थ्य समिति के बैंक खाते में रखेंगे।

**कितनी राशि मिली**

रांची	2048000 (रुपयों में)
पू. सिंहभूम	512000
धनबाद	512000
बांकारो	512000
सरायकेला	1024000
सिमडेगा	512000
प. सिंहभूम	1536000
देवघर	512000
पालामू	3584000
चतरा	512000
दुमका	2048000
गोड्डा	1024000
गढ़वा	16896000
कोडरमा	512000
पाकुड़	4608000
साहेबगंज	4096000
हजारीबाग	1024000
लोहरदगा	1024000
रामगढ़	512000
गिरिडीह	1024000
खूंटी	1024000

**अंडर कास्ट कर कोयला निकालने पर दिया बल**

केन्द्रीय कोयला सचिव अमृत लाल मिश्रा ने ऑनलाईन माध्यम से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने विजन 2070 के नेट-जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर कदम बढ़ा दिया है। कोयले पर अपनी निर्भरता को कम कर रहा है। कुछ खदानों को भी बंद किया जा चुका है। उन्होंने कोयला खदानों से पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाने के उपायों को बताते हुये अंडर कास्ट कर

कोयला निकालने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अंडर कास्ट के माध्यम से पर्यावरण को कम नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत कोयला ओपन कास्ट कर निकाले जाते हैं। इस अवसर पर आईएफएस अधिकारी एके रस्तोगी ने सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन टास्क फोर्स की कार्याणाली एवं इसके मुख्य उद्देश्यों की जानकारी दी। कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य जीवाश्म ईंधन पर

आधारित मॉडल से अलग स्वच्छ ऊर्जा तंत्र के निर्माण के क्रम में आनेवाले प्रभावों का अध्ययन करना है। वन विभाग के अपर मुख्य सचिव एल ख्यांगते, प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. संजय श्रीवास्तर ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर सीएम की प्रधान सचिव वंदना दादेल, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पंढ के सदस्य सचिव वाईके दास, सीड के रमापति कुमार मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि झारखंड में रिन्यूएबल एनर्जी के माध्यम से पावर जेनरेट करने का लक्ष्य है। जिसमें सोलर एनर्जी, हाईड्रोजन एनर्जी आदि महत्वपूर्ण स्रोत होंगे।

राज्य में कोयला और थर्मल पावर प्लांट तथा इससे संबद्ध स्थानीय अर्थव्यवस्था, लघु-सूक्ष्म उद्योगों और अस्मंठित क्षेत्र से लाखों लोग जीविका प्राप्त करते हैं। जीवाश्म

ईंधन पर आधारित कई शहरों के आर्थिक ढांचा को कैसे बिना आघात के नये बदलावों के अनुरूप तैयार किया जाये, यह बड़ी चुनौती होगी।

**मल्टी लेवल बिल्डिंग में फायर सेफ्टी नॉर्स का पालन हो : कोर्ट****खबर मन्त्र संवाददाता**

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि राज्य के सभी जिलों में बहुमंजिली इमारतों में फायर सेफ्टी नॉर्स का पालन सख्ती से होना चाहिए। सरकार को लगातार समय-समय पर इसकी रिस्क भी करनी होगी। नेशनल बिल्डिंग कोड का पालन सुनिश्चित होना जरूरी है। राज्य सरकार को 7-8 बिंदुओं पर दिशा निर्देश देते हुए कोर्ट ने मामले को निष्पादित कर दिया। इससे पहले कोर्ट के आदेश के आलोक में सभी जिला प्रशासन के द्वारा बहुमंजिला इमारतों के फायर सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की गई, जिसे कोर्ट ने अपने रिकॉर्ड में ले लिया। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया कि



जिन बहुमंजिला इमारत ने फायर सेफ्टी नॉर्स का पालन नहीं किया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि फायर सेफ्टी को लेकर बिल्डिंग बनने से पहले संबंधित विभाग से एनओसी लेना चाहिए। फायर सेफ्टी को लेकर जो बाइलॉज और रेगुलेशन बने हैं उनका पालन होना चाहिए। फायर सेफ्टी के तहत नेशनल बिल्डिंग कोड बना है, उसका पालन सुनिश्चित होना चाहिए। बता दें कि बीते साल नवंबर में धनबाद के आशीवांद टावर और हाजरा क्लीनिक में आग लगने से 19 लोगों की मौत हो गई थी, कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था।

**सरकार मुख्यमंत्री चला रहे हैं या नौकरशाह: प्रदीप वर्मा****खबर मन्त्र व्यूटो**

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा ने राज्य सरकार की कार्यशैली को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने हालिया कुछ निर्णय और घटनाक्रम का उदाहरण देते हुये पूछा है कि सरकार मुख्यमंत्री चला रहे हैं या फिर नौकरशाह? सीएम को यह स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि नारा हास्यास्पद है कि 206 नई एंबुलेंस सड़क के बाद के लिए पूरी तरह तैयार भी नहीं और उसका उद्घाटन मुख्यमंत्री ने कर दिया। पहले तो 9 माह तक कबाड़ में इसे रखा गया और जब हैंडओवर लिया गया तो फिर यह स्थिति है। इन एंबुलेंस का ना रजिस्ट्रेशन, ना इंश्योरेंस, ना ड्राइवर। इसका उद्घाटन किया जाना आम जनता के साथ साफ़ है। कितनी शर्मनाक बात है कि उद्घाटन के बाद चालक



की बहाली के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि दूसरा मामला बच्चों के बीच साइकिल वितरण का है। पिछले तीन सत्र तक सरकार इसके लिए टेंडर का खेल खेलती है। फिर मुख्यमंत्री 12 जुलाई को समीक्षा बैठक के बाद डीबीटी के माध्यम से साइकिल खरीद के लिए खातों में पैसे भेजने की घोषणा करते हैं। सिर्फ कमीशनखोरी के लिए तीन सालों तक बच्चों को इस योजना से वंचित रखा गया। अधिकारी टेंडर का लोभ छोड़ने को तैयार क्यों नहीं हैं, यह बताने की जरूरत नहीं है। बड़ा सवाल है कि सरकार चला कौन रहा है सीएम या अधिकारी।

**5 साल में पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज हुए 5897 मामले, 5749 गिरफ्तार**

रांची। झारखंड में जनवरी 2018 से अप्रैल 2023 तक पोक्सो एक्ट में 5897 मामले दर्ज किये गये हैं। जिनमें 5104 मामलों का निष्पादन

झारखंड पुलिस द्वारा कर लिया गया है। वहीं 793 मामले अभी भी लॉकत हैं। पुलिस ने 5749 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला	मामला	निष्पादन	गिरफ्तार
रांची	552	444	593
खूंटी	98	95	138
गुमला	206	171	238
लोहरदगा	133	121	250
सिमडेगा	111	99	131
चाईबासा	235	217	243
जमशेदपुर	269	209	228
सरायकेला	144	126	160
गढ़वा	380	323	406
पालामू	320	285	354
लोहोडग	120	194	240
हजारीबाग	298	315	333
चतरा	185	165	211
रामगढ़	133	124	157
कोडरमा	94	84	96
गिरिडीह	381	322	341
धनबाद	704	614	186
बांकारो	284	240	253
दुमका	218	170	255
देवघर	203	170	243
पाकुड़	121	113	136
साहेबगंज	206	152	232
गोड्डा	215	162	229
जामताड़ा	95	83	58
रेल जमशेदपुर	60	03	05
रेल धनबाद	07	06	19



**कांके वधशाला में मीट काटने की बाध्यता हटी**

रांची। रांची नगर निगम क्षेत्र के मीट दुकानदारों को अनिवार्य रूप से कांके वधशाला में मीट कटवाने के नगर निगम के आदेश को झारखंड हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। बुधवार को इस संबंध में दायर याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने यह फैसला दिया। मामले में कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एक रेगुलेशन बनानी चाहिए थी जिसके बाद ही कांके रोड स्थित स्लॉटर होम में मांस काटने का आदेश दिया जाना चाहिए था। रांची नगर निगम की ओर से प्रशांत कुमार सिंह ने पैरवी की। पूर्व में हुई सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था रांची नगर निगम ने एक आदेश निकाला है, जिसके तहत सभी मीट दुकानदार कांके स्थित वधशाला में ही अपने जानवरों को काटने के लिए ले जाएंगे। ऐसा नहीं करने वाले दुकानदारों से 2 हजार जुर्माना वसूला जाएगा। पूर्व में कोर्ट ने रांची नगर निगम के इस आदेश पर रोक लगा दी थी। दरअसल, कुरेशी पंचायत एंड शॉपकीपर वेलफेयर सोसाइटी की ओर से याचिका दाखिल कर कहा गया है कि कांके स्थित वधशाला में जानवरों को काटने संबंधी नगर निगम के आदेश सही नहीं हैं, क्योंकि मीट दुकानदार उतनी दूर नहीं जा सकेगे।

**मई, जून और जुलाई माह के खाद्यान्न उठाव और वितरण की हुई समीक्षा**

**सरकारी अनाज की कालाबाजारी करनेवालों के खिलाफ होगी काठोर कार्रवाई : उपायुक्त**



**खबर मन्त्र संवाददाता**

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि जिला में सरकारी अनाज की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ काठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि तुपुदाना इंडस्ट्रियल एरिया में अनाज की कालाबाजारी में संलिप्त लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त ने एफसीआई से एसएफसी और एसएफसी से एफसीआई में अनाज लाने ले जाने की निगरानी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अनाज के मूवमेंट पर पैनी नजर रखते हुए लिंकेज पर जानकारी देने को कहा ताकि मामले में गंभीरतापूर्वक आवश्यक जांच करते हुए कार्रवाई की जा सके। श्री सिन्हा बुधवार को खाद्य आपूर्ति एवं धान अधिप्राप्ति से संबंधित समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में उपायुक्त ने झारखण्ड राज्य खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत रिक्ति स्थिति, खाद्यान्न का उठाव न करने वाले राशन कार्डधारियों

अनाज उठाव नहीं करनेवालों का रद्द होगा राशन कार्ड : उपायुक्त ने कहा कि प्रक्रिया अनुसार खाद्यान्न का उठाव नहीं करनेवालों का कार्ड रद्द करें। जिला में 6-12 महीने से अनाज नहीं उठानेवाले राशन कार्डधारियों की संख्या लगभग 80 हजार, 6 महीने से अनाज नहीं उठानेवाले राशन कार्डधारियों की संख्या लगभग 45 हजार और एक साल से अनाज नहीं उठानेवाले राशन कार्डधारियों की संख्या 25 हजार के करीब है। उपायुक्त ने ऐसे राशन कार्डधारियों को चिन्हित करते हुए कार्ड रद्द करने का निर्देश दिया।

की स्थिति, मोबाईल सीडिंग, ड्यूलीकेट यूआईडी, निलंबित डीलर, एनएफएसए के सभी लाभुकों को यूआईडी से सीडिंग, पेट्रोल सब्सिडी, सोना सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना, माह मई, जून एवं जुलाई 2023 हेतु एनएफएसए योजनान्तर्गत खाद्यान्न का डीएसडी लिफ्टिंग एवं खाद्यान्नों की स्थिति की समीक्षा की।

**अनाज के उठाव और वितरण की समीक्षा**

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा राष्ट्रीय खाद्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2003 अंतर्गत खाद्यान्न उठाव एवं वितरण की प्रखंडवार विस्तार से समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने प्रखंडवार माह मई, जून एवं जुलाई के खाद्यान्न उठाव और वितरण की जानकारी ली। उन्होंने सभी बीएसओ को कहा कि अगले चालव दिवस से पहले अनाज वितरण की प्रक्रिया पूरी कर लें।

**किसानों को दूसरी किश्त का भुगतान करें**

रांची में पिछले वर्ष 1274 किसानों ने 80426 विंक्टल धान अधिप्राप्ति लैपस से प्राप्त की थी। पिछले साल सुखाड़ की स्थिति के कारण लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो पाई। जितने भी किसानों द्वारा धान लैपस में जमा किए गए, उसकी राशि का भुगतान ससयम कराने का निर्देश दिया गया। जिला में 816 किसानों को दोनों किश्त का भुगतान हो चुका है, जो 50 करोड़ 58 लाख 7 हजार 338 है। उपायुक्त ने शेष 458 किसानों के बीच 8 करोड़ 20 लाख 35 हजार 438 रुपये की दूसरी किश्त का भुगतान इस महीने के अंत तक करने के निर्देश दिए।

**कैप लगाकर राशन कार्ड बनाने का निदेश**

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के आवेदन पर वाल्मीकि नगर, तुलसी नगर, रामनगर, पथलकुदवा, मनीटोला, हरमू, डोरडा बेलदार नगर, हरमू विधाननगर, गांधीनगर, बरियातू स्टॉफ क्वार्टर, आरोग्य भवन, बीआईटी मेसरा, विकास में कैप लगाकर राशन कार्ड बनाने के निदेश दिए। मोबाईल सीडिंग, ड्यूलीकेट यूआईडी, यूआईडी से सीडिंग, पीवीटीजी डाकिया योजनान्तर्गत खाद्यान्न का वितरण, पेट्रोल सब्सिडी, सोना सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना की समीक्षा करते हुए भी उपायुक्त द्वारा उचित व आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

**राज्यपाल से मिले पूर्व मंत्री देवकुमार धान, कहा**

**आदिवासी महिलाओं को दूसरी-तीसरी पत्नी बनाकर लूट रहे जमीन, कृपया दखल दें**

**खबर मन्त्र व्यूरो**

रांची। पूर्व मंत्री देव कुमार धान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिला। धान ने राज्यपाल को बताया कि गैर आदिवासियों द्वारा आदिवासी लड़की को दूसरी या तीसरी पत्नी बनाकर उसके नाम से भी आदिवासी जमीन को लूटा जा रहा है। राज्य सरकार के पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं जमीन माफियाओं की मिलीभगत से आदिवासियों की खतियानी जमीन को जाली

कागजात एवं सरकारी दस्तावेज में छेड़छाड़ कर अवैध तरीके से आदिवासी जमीन को बिक्री हो रही है। आदिवासी खतियानी जमीन को गैर खतियानी जमीन बनाकर उसे बेचा जा रहा है। आदिवासियों के सामाजिक जैसे बकास्त, भूईंहरा, पहनाई जमीन को रैयती जमीन बनाकर बेचा जा रहा है। साथ ही फर्जी तरीके से सादा पट्टा से जमीन को खरीदा-बेचा जा रहा है। उन्होंने आदिवासियों के 10,000 से अधिक हल्लानों के मामले लंबित रहने की बात राज्यपाल को बताया।

**रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे दिखेगी अद्भुत छटा : सांसद**

**सांसद के निर्देश पर एजेंसियों ने शुरू किया काम**

**ढाई करोड़ की लागत से होगी साज-सज्जा**

**खबर मन्त्र व्यूरो**

रांची। राजधानी के रातू रोड में निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर झारखंड की कला और संस्कृति के साथ ही पर्यावरण की छटा भी देखने को मिलेगी। इसके लिए एनएचआई और केसीसी बिल्डकों द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। सांसद संजय सेठ के निर्देश पर काम भी शुरू हो गया है। यह प्रयास किया जा रहा है कि रांची का यह एलिवेटेड कॉरिडोर देश के चुनिंदे कॉरिडोर में



शामिल हो सके। झारखंड की कला संस्कृति को देखने का अवसर मिलेगा। यहां के महापुरुषों की जीवन गाथा भी दिखेगी। इस कार्य के लिए नागपुर की एक एजेंसी से संपर्क किया गया है। वह एजेंसी इस एलिवेटेड कॉरिडोर के सभी पीलर को बेहतर तरीके से सजाने की तैयारी कर रही है। इस साज-सज्जा में लगभग 2.5 करोड़ रूप

का खर्च आने की संभावना है। कॉरिडोर को 5 जोन बांटा जा रहा है। जिसमें ट्राइबल जोन, पर्सनैलिटी जोन, स्पोर्ट्स जोन, सोशल एंक्वेरनेस जोन और ग्रीन जोन शामिल हैं। पर्सनैलिटी जोन में झारखंड के महापुरुषों भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो कान्हो, नीलांबर पीतांबर, चांद भैरव सहित कई महापुरुषों की

**बांग्लादेशी घुसपैठ मामला**

**सरकार ने हाईकोर्ट को बताया- पाकुड़ में 100 से ज्यादा मददसे, 2023 में धर्म परिवर्तन का सिर्फ एक केस आया**

**खबर मन्त्र संवाददाता**

रांची। बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों द्वारा घुसपैठ कर संधाल इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर दानिमल दानिशा की जनहित याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई में अदालत ने राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार दोनों से जवाब मांगा था, बुधवार की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का जवाब नहीं आ सका। अदालत में केंद्र सरकार के अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने जवाब दाखिल करने के लिए 5 सप्ताह का समय मांगा। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई 6 सितंबर निर्धारित कर दी है। वहीं राज्य सरकार ने जवाब दाखिल कर दिया है। सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि फिलहाल पाकुड़ में 100 से ज्यादा

मदरसे स्थापित हैं। जबकि याचिकाकर्ता ने पाकुड़ में 41 मदरसे होने का जिक्र किया था। वहीं, सरकार की ओर से कहा भी बताया गया कि इस वर्ष संधाल इलाके में एक धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। प्राथी ने अपने याचिका में कहा है कि संधाल के जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज जैसे झारखंड के बाँडर इलाके से बांग्लादेशी मूल के लोग घुसपैठ कर झारखंड आ रहे हैं। इससे जिलों की जनसंख्या में कुप्रभाव पड़ रहा है। वहीं लैंड जिहाद भी चल रहा है। इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसा स्थापित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय जनजातीय युवतियों के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है और फिर स्थानीय बनकर जमीन हड़पने और राज्य में आरक्षण समेत कई लाभ उठाए जा रहे हैं।

**राजधानी में कुत्तों का आंतक जारी**

**सदर अस्पताल में एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाने वालों की संख्या प्रतिदिन करीब 50**

**खबर मन्त्र संवाददाता**

रांची। राजधानी में कुत्तों का आतंक दिन प्रतिदिन जारी है सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद भी एंटी रैबीज इंजेक्शन लेने वालों की संख्या कम नहीं हो रही है। हालांकि शहरी क्षेत्रों में पहले से काफी सुधार देखने को मिल रहा है। सदर अस्पताल में एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाने वालों की संख्या प्रतिदिन करीब 50 है जिसमें 29 लोग ग्रामीण क्षेत्रों से है। आपकों बताते चलें की सदर अस्पताल में न केवल शहरी क्षेत्र के लोग आते हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी यहां आते हैं। राजधानी में आवारा कुत्तों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि हर रोज करीब 50 लोगों को अपना शिकार



वन रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में 1304, मई में 1499 और जून में 1546 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है। ये सभी लोग एंटी रैबीज का इंजेक्शन लेने के लिए सदर अस्पताल के डॉंग बाइट सेंटर पहुंचे थे। खास बात यह है कि शायद ही कि कोई गली हो जहां इन आवारा कुत्तों का आतंक न हो। पैदल चलने वाले, बाइक, साइकिल रिक्शे आदि पर तो यह हमला करते ही हैं बल्कि पार्क में टहलने वाले लोगों को भी अपना शिकार बनाते हैं।

**वया कहती हैं हेल्थ ऑफिसर**

नगर निगम की हेल्थ अधिकारी डॉ किरण का कहना है कि आवारा कुत्तों को पकड़ने, बंध्याकरण और वैक्सिनेशन की जिम्मेवारी मेसर्स हाॅप एंड एनिमल ट्रस्ट को सौंपा गया है। निगम के पास दो गाड़ियां और दो कैचर है, जो हर दिन 10 से 15 आवारा कुत्तों को पकड़ते हैं। शहरी क्षेत्र हमारा अभियान लगातार चलता रहता है।

**जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निबटने के लिए जेंडर रेस्पॉसिव पॉलिसी आवश्यक : मनीष रंजन**

**खबर मन्त्र संवाददाता**

रांची। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर स्थानीय महिलाओं का नेतृत्व तैयार करना इससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण साबित होगा। बुधवार को आयोजित जेंडर एंड क्लाइमेट डायलॉग्स : झारखंड चैप्टर की कार्यशाला को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने ये बातें कहीं। पेयजल और स्वच्छता विभाग के सचिव मनीष रंजन ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में कहा कि हमें जिन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, वे हैं स्थानीय संबंधी खतरों में वृद्धि, पानी और स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सीमित भागीदारी।

**महिलाएं जलवायु परिवर्तन से व्यापक रूप से प्रभावित**

असर की सीइओ विनुता गोपाल ने कहा, महिलाएं जलवायु परिवर्तन से व्यापक रूप से प्रभावित होती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से उनके मुद्दों पर शायद ही कभी जरूरी ध्यान दिया जाता है। हमें उन्हें महज पीड़ितों के रूप में देखना बंद करना होगा और उनके नेतृत्व को बढ़ावा देने की जरूरत है, ताकि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर जलवायु समाधानों को प्राप्त किया जा सके। राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, सीआईएनआई झारखंड तन्वी झा ने अपने अध्यक्षन झारखंड में महिलाओं और लड़कियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

**70 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया**

कार्यशाला में प्रतिभागियों को कार्य समूह बनाकर जेंडर और जलवायु से जुड़े ऐसे प्रमुख हस्तक्षेपों को चिन्हित किया गया, जिन पर राज्य सरकार ध्यान केंद्रित कर सके। असर और सीआईएनआई कार्यशाला के विचार-विमर्श से प्राप्त मुख्य बिंदुओं को एकत्रित करेंगे और इसे झारखंड के प्रमुख हितधारकों के साथ साझा किया जाएगा। कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें सरकारी प्रतिनिधि, जलवायु परिवर्तन और इससे संबंध स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले संगठन शामिल थे।

**एटीएस की पूछताछ में किया खुलासा**

**बड़ा गैंगस्टर बनना चाहता है चंदन साव**

**खबर मन्त्र व्यूरो**

रांची। एटीएस डीएसपी नीरज कुमार व दारोगा सोनू साव पर गोलीबारी करनेवाले अपराधी जब एटीएस की गिरफ्त में आया तो उसने पुलिस के समक्ष चौंकाने वाले खुलासे किए। गिरफ्तार चंदन साव ने पूछताछ में बताया कि वह जेल में बंद गैंगस्टर अमन साव गैंग के गुर्गा कहलाना पसंद नहीं करता है। चंदन अमन साव से भी ज्यादा खतरनाक है। चंदन की चाहत है कि वह झारखंड का सबसे बड़ा गैंगस्टर बने।

जेल से हर आदेश चंदन तक ही पहुंचता है

रांची के सीनिवर एसएसपी रहे और वर्तमान में एटीएस एसपी सुरेंद्र झा हमेशा साव गैंग पर भारी पड़े हैं। सुरेंद्र झा ने ही अमन साव को भी

पहुंचाया जाता था, जिसके बाद चंदन उस पर अमल करते हुए आगे का काम करता था। चंदन के कहने पर ही रांची के अरगोड़ा में रहने वाले कोयला कारोबारी रंजीत गुप्ता पर साव गिरोह के शूटर वारिश अंसारी ने फायरिंग की थी। इस गोलीबारी को सिर्फ इसलिए अंजाम दिया गया था ताकि रंजीत गुप्ता से रंगदारी वसूली जा सके।

**खुद गैंग बनाना चाहता है चंदन**

एटीएस के पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि चंदन साव खुद का एक गैंग बनाने की इच्छा रखता है। इसके लिए वह अपराधिक छवि के युवकों को चुटाने के काम में भी लगा हुआ था। चंदन के पास हथियारों की भी कोई कमी नहीं है। एटीएस पूछताछ में उससे हथियारों का पता उपलब्ध करने में लगी हुई है।





# निजी अस्पतालों में बंद हुई रेफरल व्यवस्था जल्द शुरू हो : चैंबर

**खबर मन्त्र संवाददाता**

रांची। झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने बुधवार को चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री के नेतृत्व में नामकोम स्थित ईएसआईसी अस्पताल का भ्रमण कर बीमित व्यक्तियों की सुविधा के लिए अस्पताल में की गई व्यवस्था का जायजा लिया। यह देखा गया कि अस्पताल में अधिकारी व डॉक्टरों की कमी है, अस्पताल में नई टेक्नोलॉजी युक्त एक्स-रे मशीन की आवश्यकता और फ़ैमिशी में पर्याप्त नैनापावर की जरूरत है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा एक साथ 32 में से 24 डॉक्टरों का ट्रंसफर किये जाने के बाद अब तक विशेषज्ञ डॉक्टरों को पदस्थापित नहीं किये जाने से



अस्पताल में मरीजों की संख्या भी दिनोदिन घटती जा रही है। अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था पर संतोष जताते हुए यह भी महसूस किया गया कि पर्याप्त संसाधन की उपलब्धता के बावजूद कुछ कमियां हैं, जिसपर अस्पताल प्रबंधन को कार्रवाई करने की आवश्यकता है। भ्रमण के उपरांत चैंबर

पदाधिकारियों ने ईएसआईसी अस्पताल की मेडिकल सुप्रीटेंडेंट सुनिता मिंज से भी भेंट की। चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने चिंता जताते हुए कहा कि बीमित व्यक्तियों को रांची के सभी उच्च कोटि के निजी अस्पतालों में उच्च इलाज की व्यवस्था उपलब्ध थी जो पिछले दो माह से बंद कर दी गई है। मरीजों

को कोलाकाता और जमशेदपुर के ईएसआईसी अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है, जिससे मरीजों को कठिनाई हो रही है। रांची के उच्च कोटि के निजी अस्पतालों में बंद की गई रेफरल व्यवस्था को जल्द चालू किया जाय।

ईएसआईसी प्रबंधन द्वारा निर्गत किये गये हालिया नोटिस जिसके तहत केवल सरकारी भवन में ही अस्पताल या डिस्पेंसरी का संचालन किया जायेगा, पर श्रम एवं मापतोल उप समिति के चेयरमेन प्रमोद सारस्वत ने चिंता जताई और कहा कि छोटे-छोटे जिलों में निजी भवनों में भी डिस्पेंसरी खोली जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने नामकोम में 200 बेड के निर्माणाधीन अस्पताल में जल्द डॉक्टरों की पदस्थापना

करके शहर का लोड कम करने की बात भी कही। विदित हो कि झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा संपूर्ण मामले की जानकारी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र के माध्यम से भी दी गई। यह अनुरोध किया गया कि नामकोम स्थित अस्पताल में जल्द से जल्द डॉक्टरों और अधिकारियों की पदस्थापना की जाय। यह कहा गया कि वर्तमान में नेत्र रोग, डेंटल, जेनरल फिजीशियन जैसे विभाग भी खाली हैं, जिस कारण बीमित व्यक्तियों को परेशानी हो रही है। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, अमित शर्मा, सह सचिव रोहित पाण्डे, शैलेष अग्रवाल के अलावा अस्पताल प्रबंधन की ओर से अभिषेक कुमार शामिल थे।

## बरसात आते ही बढ़ने लगे वायरल इन्फेक्शन के मरीज

**खबर मन्त्र व्यूरो**

रांची। आंखें बहुत ही नाजुक और संवेदनशील होती हैं। इनके साथ थोड़ी सी भी परेशानी हो तो तुरंत लक्षण दिखाई देने लगते हैं। आंखें आना या लाल होना आंखों से जुड़ी ऐसी ही समस्या है, जिसे चिकित्सीय भाषा में कंजक्टिवाइटिस कहते हैं। वातावरण में नमी होने के कारण हाल के दिनों में कंजक्टिवाइटिस के मरीजों की संख्या बढ़ी है। पहले जहां औसतन 1 से 2 मरीज रिम्स नेत्र विभाग के ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचते थे। वहीं वर्तमान में यह संख्या बढ़कर 15 के करीब पहुंच गई है। रिम्स नेत्र विभाग के चिकित्सक डॉ राहुल प्रसाद ने कहा ओपीडी में हर रोज 10 से 15 मरीज कंजक्टिवाइटिस के वजह से इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इसमें दोनों आंखों का लाल होना, पानी और कीची आना सामान्य तौर पर मरीजों में देखा जा रहा है। पर में किसी एक व्यक्ति को हो गया है तो सभी को

कंजक्टिवाइटिस होगी। ऐसे मरीजों को एंटीवायरल ड्रग दिया जा रहा है। एंटी वायरल ड्रग से चार-पांच दिनों में मरीज स्वस्थ हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगस्त के पहले सप्ताह तक कंजक्टिवाइटिस के मरीजों की संख्या बढ़ेगी। कंजक्टिवाइटिस होने पर बच्चों को स्कूल नहीं भेजने की सलाह चिकित्सक ने दी है। कहा कि घर में किसी एक व्यक्ति को आंख आता है तो सभी को होने की खतरा रहता है। साथ ही बार-बार आंख को छूने से बचने की सलाह डॉ राहुल ने दी है।

कंजक्टिवाइटिस के लक्षण : एक या दोनों आंखों का लाल या गुलाबी दिखाई देना, एक या दोनों आंखों में जलन या खुसाली होना, आसामान्य रूप से अधिक आंसू निकलना, आंखों से पानी जैसा या गाढ़ा डिस्चार्ज निकलना, आंखों में सूजन महसूस होना वऔर आंखों में चुभन आ जाना, यह लक्षण आमतौर पर एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस के कारण दिखाई देते हैं।

## व्हाट्सएप कॉल कर बनाया न्यूड वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बुजुर्ग से टग लिये पैसे

रांची। राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने एक बुजुर्ग का न्यूड वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर 58 हजार रूपए टग लिये। बुजुर्ग ने इस बातब कोतवाली थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

साइबर क्राइम का अधिकारी बता कर और वीडियो की धमकी अनिल की ओर से थाने में दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि 16 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक वीडियो कॉल आया। उन्होंने फोनकटती से करीब दो मिनट तक वीडियो कॉल पर बातचीत की। जब उन्हें यह लगा कि उन्हें किसी साजिश में फंसाया जा रहा है तो उन्होंने फोन कट करने के बाद उस नंबर को डिलिट कर दिया। लेकिन 17 जुलाई की सुबह उन्हें एक व्यक्ति ने फोन किया और कहा कि आपका दो-तीन न्यूड वीडियो यूट्यूब पर अपलोड हुआ है। अगर डिलिट करना चाहते हैं 52 हजार पांच सौ रूपए देना होगा। लोक-लाज के भय से अनिल ने साइबर अपराधी के द्वारा बताए गए केनरा बैंक के ग्राहक मेजर सिंह के



खाते में कुल राशि ट्रंसफर कर दी। कुछ देर बाद एक साइबर अपराधी ने उन्हें फिर से फोन किया और आइपी एड्रेस उपलब्ध कराने को कहा, जिसे अनिल ने उपलब्ध कराने से इंकार कर दिया। इसके बाद टग ने उससे कहा कि उन्हें 98 हजार रूपए फिर से उसी खाते में जमा करना होगा। अनिल ने जब पैसा देने से इनकार किया तो साइबर टग ने खुद को साइबर क्राइम का अधिकारी बता कर फोन किया और कहा कि राशि नहीं दिया तो उस पर कार्रवाई होगी। जब अनिल केजरीवाल को लगा कि यह सारा काम साइबर अपराधियों का है तब वह सीधे थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया। फिलहाल दर्ज प्राथमिकी के आधार पर कोतवाली पुलिस मामले की तपतीश में जुटी हुई है।

## निर्मला कान्चेंट हाई स्कूल में चित्रांकण प्रतियोगिता आयोजित प्रतियोगिता से बच्चों में कल्पनाशक्ति और क्रियाशीलता का विकास होता है : प्राचार्य

**खबर मन्त्र संवाददाता**

रांची। निर्मला कान्चेंट हाई स्कूल एदलहातू में बुधवार को कक्षा प्री नर्सरी से कक्षा अष्टम तक के छात्र-छात्राओं के लिए चित्रांकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रिय केंद्रून क्रेक्टर , प्राकृतिक दृश्य, तथा युशारोपण आदि विषयों पर बच्चों ने ड्राइंग पेपर पर अपनी विचारों को उभारा तथा सुंदर कल्पना के रंग भरें। छोटे बच्चो ने अपने प्रिय कार्टून कैरेक्टर बनाए, स्पाइडरमैन ,बाल हनुमान, बालकृष्ण, आदि बना कर इंद्रधनुषी रंग भरें। वहीं, 7वीं र 8वीं के छात्र छात्राओं ने पर्यावरण, वृक्ष रोपण आदि विषयों पर प्रेरणादायक चित्र बनाया। विद्यालय के प्राचार्य विजय कुमार शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में कल्पनाशक्ति



**विजयी बच्चे :** आराध्या टोपो , श्रुति कुमारी , स्वरा वर्मा , सीनु कुमारी, जीवन परवीन , शुभम राय, श्रुति, काव्या ,रिया ,आशिया नाज ,स्युति टोपो,साक्षी पांडे स्वीटी कुमारी ।

के साथ साथ क्रियाशीलता का भी विकास होता है। बच्चों को संवारना का मतलब राष्ट्र को संवारना है विद्यालय की सचिव सीमा शर्मा ने विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया और उनकी काफी सराहना

## स्नातक में दाखिले के लिए 8 तक करें चांसलर पोर्टल से आवेदन, सीयूइटी को प्राथमिकता

● कॉलेजों द्वारा ऑनलाइन सेलेक्शन लिस्ट 14 अगस्त तक जारी किया जायेगा

● 24 अगस्त तक करा सकते हैं चयनित विद्यार्थी कागजात सत्यापन और नामांकन

**खबर मन्त्र व्यूरो**

रांची। रांची विवि अंतर्गत अंगीभूत कॉलेजों व संबद्ध कॉलेजों में स्नातक रेगुलर कोर्स (सत्र 2023-2027) में नामांकन के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। एनटीए द्वारा उवएल का रिजल्ट निकाले जाने के बाद विवि ने प्रक्रिया शुरू की है। इच्छुक विद्यार्थी चांसलर पोर्टल से आठ अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। कॉलेजों द्वारा ऑनलाइन सेलेक्शन लिस्ट 14 अगस्त तक जारी किया जायेगा, जबकि चयनित विद्यार्थी कागजात सत्यापन और नामांकन 24 अगस्त तक करा सकते हैं।

**चांसलर पोर्टल खोला गया**

नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल मंगलवार से खोल दिया गया है। इसमें सीयूइटी से स्कोर प्राप्त विद्यार्थी तथा जो सीयूइटी में शामिल नहीं हुए हैं, वह भी आवेदन कर सकते हैं। सीयूइटी स्कोर प्राप्त विद्यार्थी को आवेदन में अपना स्कोर दर्ज कराना होगा। नामांकन के समय उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। वहीं सीयूइटी में शामिल नहीं होनेवाले विद्यार्थी का नामांकन इंटर के अंक के आधार पर लिया जायेगा। कुलपति के निर्देश पर रजिस्ट्रार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक सत्र शुरू होने के बाद भी किसी विषय में सीट खाली रहने पर नामांकन प्रक्रिया जारी रहेगी। हर विद्यार्थी को चांसलर पोर्टल पर अपना लॉगिन करना होगा तथा वह अपनी पसंद के अनुसार या फिर इससे अधिक विषयों या फिर एक से अधिक कॉलेज में आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को विवि और राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार वेटेज भी दिया जायेगा।

**आरक्षण रोस्टर का करना होगा पालन**

हर कॉलेज को राज्य सरकार के आरक्षण रोस्टर का पालन करना होगा। सामान्य व ओबीसी विद्यार्थी के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये तथा एसटी/एससी विद्यार्थी के लिए 400 रुपये शुल्क निर्धारित किये गये हैं। चांसलर पोर्टल के माध्यम से ही कॉलेज में निर्धारित नामांकन शुल्क जमा होंगे। **वोकेशनल व सेल्फ फाइनांसिंग कोर्स में सीधे नामांकन** विवि अंतर्गत चल रहे स्नातक वोकेशनल व सेल्फ फाइनांसिंग कोर्स में नामांकन चांसलर पोर्टल से नहीं होगा। नामांकन संबंधित कॉलेज में सीधे या मेरिट के आधार पर लिया जा रहा है। जिन कोर्स में सीट खाली है, वहां नामांकन जारी है। बताते चलें कि बिनाद बिहारी महतो कोथलांचल विश्वविद्यालय में मंगलवार से अंडर ग्रेजुएट कोर्स में नामांकन के लिए दूसरे चरण की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू गयी। इसमें सीयूइटी के सफल विद्यार्थी आवेदन

कर सकते हैं। विवि में सफल विद्यार्थियों के लिए 50 प्रतिशत सीट रखी गयी है। धनबाद व बोकारो के अंगीभूत, संबद्ध और अल्पसंख्यक कॉलेजों में यूजी के चार वर्षीय कोर्स में नामांकन के लिए वैसे विद्यार्थी एक अगस्त तक चांसलर पोर्टल के माध्यम से आवेदन द सकते हैं। पहली मेरिट लिस्ट छह अगस्त को जारी की जायेगी।

**डॉक्ट्यूमेंट वैरिफिकेशन शुरू** वहीं दूसरी ओर मंगलवार से इंटरमीडिएट की अंक के आधार पर यूजी में नामांकन के लिए चयनित छात्रों के डॉक्ट्यूमेंट वैरिफिकेशन शुरू हो गया है। चयनित छात्रों के लिए डॉक्ट्यूमेंट वैरिफिकेशन की अंतिम तिथि 21 जुलाई तक निर्धारित है। 24 जुलाई तक नामांकन शुल्क चुकाना होगा। नामांकन शुल्क चुकाने के बाद ही नामांकन कंफर्म होगा। 24 जुलाई को दूसरी मेरिट लिस्ट जारी होगी। पहली मेरिट लिस्ट जारी होने से विलंब होने पर इसका असर आगे भी पड़ेगा।

## विद्यालय की अस्मिता के संवाहक हैं विद्यार्थी : एसके मिश्रा

रांची। हेहल डीएवी विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्रा ने कहा है कि विद्यार्थी विद्यालय की अस्मिता के संवाहक होते हैं। श्री मिश्रा बुधवार को विद्यालय में आयोजित छात्र परिषद का शपथ ग्रहण एवं अलंकरण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने छात्र परिषद के चुने हुये हेड व्वाय सौर्य, हेड गर्ल-मानवी वत्स, डिसिप्लिन कॉर्डिनेटर्स-कुंदन कुमार उपाध्याय, अदिति सिन्हा, प्रज्ञा सिंह, प्राची कुमारी, स्पোর্ट्स कॉर्डिनेटर्स-खुशी कुमारी, श्रितिज कुमार, कल्चरल कॉर्डिनेटर्स-प्राची प्रिया, श्रितिज, हिदी एडिटरस-अमर

दीप उरांव, वैदेही प्रसाद, इंग्लिश एडिटरस-रोहित कुमार वैद्य, वैष्णवी तिवारी, साईस कॉर्डिनेटर्स- अनुभव कुमार, खुशी कुमारी,एलसीसी हेड-अयोनिका घोष, सुमित कुमार, अंकिता सिंह, शिव आदित्य आदि को बैच और पटका पहनाकर अलंकृत किया। उन्होंने निष्पक्ष रूप से अपने-अपने पदों पर जिम्मेदारी पूर्वक काम करनेकी शपथ दिलाई। छात्र परिषद के छात्रों ने विद्यालय की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए निष्ठा पूर्वक कार्य करने का वचन दिया।

**चंदवे के जले ट्रांसफर्मर को बदलने को जीएम से गुहार रांची।** चंदवे गांव का ट्रांसफर्मर पिछले 8 दिनों से जला है। इस कारण गांव के 70 घरों में अंधेरा है। गांव के लोगों ने इसकी सूचना विभाग को दी, लेकिन ट्रांसफर्मर नहीं बदला गया। इससे लोगों में नाराजगी है। यही कारण है कि बिजली विभाग की उपेक्षा से नाराज लोग बिजली वितरण निगम के जीएम से मिले और उन्हें बस्तुस्थिति से अवगत कराया। इस दौरान भाजपा नेता नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि ट्रांसफर्मर के जल जाने के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस अतिबलंब बदला जाये, ताकि गांव में बिजली बहाल हो और लोगों को अंधेरे से मुक्ति मिले।

## मंत्री बन्ना गुप्ता से मिला इंटर कॉलेज कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल,दी बघाई



रांची। इंटर कॉलेज कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मिला और उन्हें धन्यवाद दिया। नई शिक्षा नीति के तहत डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद कर दी गई थी। पूरे झारखंड में इसका विरोध हुआ था। इंटर कॉलेज कर्मचारी संघ ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मुलाकात कर फिर से पढ़ाई शुरू कराने की गुहार लगाई थी। इस संबंध में बन्ना गुप्ता ने कहा कि इन लोगों की समस्या को मैंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास रखा था। सीएम ने गंभीरता दिखाते हुए समस्या का समाधान किया।

## इंटर स्कूल मार्केटिंग स्किल्स प्रतियोगिता में डीएवी हेहल विजेता



रांची। द इंटरनेशनल लाइब्रेरी एंड कल्चरल सेंटर में बुधवार को कक्षा 9-12 के लिए इंटर स्कूल मार्केटिंग स्किल्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रत्येक टीम में दो सदस्य शामिल थे, सभी प्रतिभागियों को एक उत्पाद के लिए विज्ञापन बनाना था जो उन्हें मौके पर ही दिया गया था। उन्हें साबुन और ट्यूबपेस्ट जैसे नियमित रोजमर्रा के उत्पादों, उनके स्कूल, उनके शहर आदि के लिए विपणन अभियान बनाना था। उन्हें

गांधीनगर, डीएवी बरियातू, डीएवी हेहल, डीएवी कपिलदेव, एवं कैम्पिन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें पहला पुरस्कार चित्राया, उज्जवल कुमार (डीएवी हेहल) दूसरा पुरस्कार अमृता सिन्हा, राजलक्ष्मी (सुरेंद्रनाथ सेंटेंरी स्कूल) तीसरा पुरस्कार हर्षिता शर्मा, तेजस सिन्हा (ब्रिजफोर्ड पब्लिक स्कूल) को विजेता घोषित किया गया।

निर्णायक मंडली में अनुराग मोदी, प्रकृति जेथर और सुश्री चंदना साहू शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन आईएलसीसी की सांस्कृतिक सचिव रेखा मिश्रा ने किया। आईएलसीसी सांस्कृतिक समिति के सदस्यों निवेदिता शर्मा, ज्योति बजाज, आंचला सिंह, चंदा मोदी, मेधा जैन और नीति मेहंदीरता शामिल थीं।

## हीलर आर्क रिसोर्सस कमरे में ब्लाड डोनेशन कैप



कमड़े। सदर हॉस्पिटल और हीलर आर्क रिसोर्सस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कमड़े स्थित संस्थान में बुधवार को ब्लड डोनेशन कैप का आयोजन किया गया। इसमें कोशल विकास के स्टेट मैनेजर अनूप कुमार समेत संस्थान के 100 से अधिक फैकल्टी और छात्रों ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि रक्तदान महदान है और इससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती है उन्होंने सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित किया और कहा कि डॉक्टर की सलाह से हर 3 महीने पर रक्तदान करते रहे। इससे न तो स्वास्थ्य खराब होता है और नहीं शरीर में किसी तरह की कमजोरी आती है, बल्कि ब्लड सरकुलेशन बेहतर हो जाता है।

## मवि पंडरा में इंटर हाउस लोक नृत्य प्रतियोगिता

रांची। मवि पंडरा में बुधवार को स्कूली बच्चों के बीच एनपीइपी- राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत इंटर हाउस लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जनसंख्या नियंत्रण, जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभाव, बेटे बेटियों में भेदभाव, एकल व संयुक्त परिवार में बच्चों के भरण पोषण, झारखण्डी प्राकृतिक घटा एवं मौनसूनी कृषि आदि विषयक संदेशों के साथ गीत संगीत के साथ प्रस्तुत भव्य सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियों की गयी। निर्धारित मूल्यांकन मानक के आधार पर शिक्षिका द्रप प्रिया कुमारी , रीता झा एवं प्रशिक्ष अघ्यापिका नर्गिस सेहला की जुरी दल द्वारा कलाम हाउस द्वारा प्रस्तुत नागपुरी लोक नृत्य को प्रथम , तेन्दुलकर हाउस द्वारा प्रस्तुत झूमर नृत्य को द्वितीय एवं राधाकृष्णन हाउस द्वारा प्रस्तुत पंजाबी लोक नृत्य को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। प्रतियोगिता का संचालन शिक्षिका क्रान्ति कु चौधुरी ने किया। प्रोग्राम आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं प्रशिक्षु अध्यापिकाओं की समर्पित भूमिका रही है। विद्यालय स्तरीय वैपियन टीम प्रखण्ड/ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करेगी।



केंद्रीय सरना समिति ने 200 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

## मेहनत से ही बच्चों को मंजिल मिलेगी : बंधु तिकी

**खबर मन्त्र व्यूरो**

रांची। केन्द्रीय सरना संघर्ष समिति के तत्वावधान में बुधवार को पिरका मोडू हेसल जतरा टाड़ में मेधा विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मैट्रिक-इंटर में 60% से अधिक अंक लानेवाले 200 बच्चों और टॉपर्स को प्रशस्थित पत्र ,सर्टिफिकेट, प्रतीक चिन्ह, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिकी थे। उन्होंने कहा कि मेहनत से ही बच्चों को मंजिल मिलेगी। आज के बच्चों को ज्यादा जागरूक



होने की जरूरत है। शिक्षक एवं अभिभावक उन्हें सही शिक्षा एवं मार्गदर्शन दें। शिक्षा ही एक ऐसा चीज है जो

## इन्हें मिला सम्मान

**टॉपर्स** साईस ( विज्ञान)- प्रथम - श्रुति कुमारी द्वितीय - वन्दना उरांव तृतीय - निलम कुमारी टोपो **कॉमर्स** प्रथम - श्वेता बरी द्वितीय - कावेरी कुमारी तृतीय - सोहन उराव **कभी कोई छीन नहीं सकता:** वहीं, पंडरा ओपी प्रभारी शिव

**आर्ट्स** प्रथम - तमन्ना स्नेहा खलखो द्वितीय - प्रियंका कुमारी तृतीय - रिया तिकी **मैट्रिक** प्रथम - रोहित तिकी द्वितीय - सुभाष उरांव तृतीय - सुष्मिता लिंडा नारायण तिवारी ने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मानित होने से छात्र

छात्राओं को बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। माता पिता के सपनों को पूरा करें। मन लगाकर पढ़ें और समाज का नाम रोशन करें। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि पढ़ाई-लिखाई हमारा हथियार है। इसे हम अपना लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा ही एक ऐसा चीज है जो कभी कोई छीन नहीं सकता है। समाजसेवी अनुप प्रसाद ने कहा कि बच्चों को खुब पढ़ायें, ताकि अपका बच्चे को शर्मिंदगी महसूस न हो। शशि उरांव ने कहा कि पढ़ाई-लिखाई से ही हमरा समाज का उत्थान होगा और अपने

लक्ष्य की ओर आगे बढ़ेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप अनिता उरांव,सती तिकी, नुरी तिकी, शोभा तिकी, विरदी कुजूर, सुनिता कुजूर, शोभा तिकी, सीटीओ उरांव, पर्वती लकड़ा, अन्नु मुंडा, रीता खलखो, नीलम उरांव, बसंती कुजूर, कुर्लीडी उरांव, कुलदीप उरांव, गुड्डू उरांव, पर्वती टोपो, पिंकी कुजूर, महादेव उरांव, दुलारी उरांव, मीणा देवी, बुधनी उरांव, रजनी तिकी, जौरी टोपो, मनोज उरांव, मंगल उरांव, पूजा उरांव, सुमन उरांव, जसमीन लिंडा, दुर्गा उरांव, राधा उरांव ने सराहनीय भूमिका निभायी।



डॉ विमल कुमार प्रोन्नति पाकर आईपीएस बने बुड़ू, बुड़ू प्रखंड स्थित रेलाडीह गांव निवासी पूर्व प्रधानाचार्य स्व...

दो स्कूली बसों आपस में टकराई माउंट स्कूल के 20 बच्चे घायल

क्यूरेस्टा ग्लोबल हॉस्पिटल ने किया निःशुल्क उपचार बस में बैठे थे 50 बच्चे मची चिख पुकार

खबर मन्त्र संवाददाता ओरमांडी। थाना क्षेत्र के इरबा में बुधवार को दो स्कूल बस आपस में टकरा गए। दोनों बस माउंट स्कूल के ही थीं।



दुर्घटना के बाद हॉस्पिटल में उपचार कराने पहुंचे बच्चे।

सभी बच्चों को उपचार के लिए क्यूरेस्टा ग्लोबल हॉस्पिटल इरबा ले जाया गया। सूचना मिलने के बाद स्कूल के निदेशक फादर मैथ्यू...

चिकित्सक डा0 आसीफ अंसारी ने बताया कि बच्चों की अंदरूनी चोट की संभावना देखते हुए कई बच्चों का सीटी स्कैन पर एक्स-रे भी किया गया।

पहाड़ के पास मिला सड़ा-गला शव

जानकारी के मुताबिक, राजू कच्छप जामचुआ स्थित अपने जौजा घर बीते 14 जुलाई को आया था। जिसके बाद वह अपने घर नहीं लौटा।

खलारी प्रखंड सभागार में 10 किसानों के बीच हुआ मडुआ का बीज वितरण

खलारी। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अधिकरण जिला कृषि पदाधिकारी सह-परियोजना निदेशक, (आत्मा) राँची के तहत खलारी प्रखंड सभागार में लपरा पंचायत के बघमरी के किसान...



खलारी। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अधिकरण जिला कृषि पदाधिकारी सह-परियोजना निदेशक, (आत्मा) राँची के तहत खलारी प्रखंड सभागार में लपरा पंचायत के बघमरी के किसान...

ऑक्सब्रिज स्कूल में फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन



मांडर। ऑक्सब्रिज स्कूल, मांडर में बुधवार को सांसीए पाठ्यक्रम के तहत फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यौन शोषण के आरोपी को गिरफ्तार

इटकी। इटकी पुलिस ने गौर शोषण के आरोपी को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी श्याम कुमार के विरुद्ध थाना क्षेत्र की एक युवती ने 29 मई 2023 को एक मामला दर्ज कराया था।

जमीन विवाद में चले लाठी-डंडे पांच घायल, मामला दर्ज

खबर मन्त्र संवाददाता ओरमांडी। थाना क्षेत्र के परसाटोली में बुधवार को जमीन को लेकर विवाद दो में विवाद हो गया। जिसके बाद जमकर चली लाठी डंडे में एक पक्ष के पांच लोग घायल हो गए।

खलारी में सेंट्रल मुहर्म्म कमेटी की बैठक, 29 जुलाई को मुहर्म्म मेला

खलारी। सेंट्रल मुहर्म्म कमेटी की बैठक बुधवार को जेहलीटांड में हुई। बैठक की अध्यक्षता हाजी इस्लाम साहब व संचालन साबीर अंसारी ने किया। बैठक में मुहर्म्म मेला के सफल आयोजन को लेकर विषय रूप से चर्चा करते हुए मेला से संबंधी सभी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

टीपीसी ने बॉम्बे फैशन के मालिक से मांगी रंगदारी

खबर मन्त्र संवाददाता रांची। रातू थाना क्षेत्र में टीपीसी उग्रवादियों ने उधम मचा रहा है। प्रत्येक दिन किसी न किसी व्यवसायी से रंगदारी मांगना, नहीं देने पर जान मारने की धमकी देना उनकी नियति बन गयी है।

मामले को लेकर बरामद शव का थल बरामद

नामकुम। नामकुम थाना पुलिस ने क्षेत्र के जामचुआ के राबंगदा पहाड़ के नीचे एक युवक का सड़ा गला शव बरामद किया है। शव की पहचान जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के कोयनर डीबडीह निवासी राजू कच्छप के रूप में हुई है।

बाजपा व हिंदू नेता ने किया धरना प्रदर्शन

सीओ व बीडीओ को नौ सूत्री मांग पत्र सौंपा खबर मन्त्र संवाददाता खलारी। हर वर्ष के भाति इस वर्ष भी श्रवणी मेला (मिना बाजार) लगाने का शांतिपूर्ण तरीके से समिति व संचालक का गठन भी किया है।

खलारी में सेंट्रल मुहर्म्म कमेटी की बैठक, 29 जुलाई को मुहर्म्म मेला

खलारी। सेंट्रल मुहर्म्म कमेटी की बैठक बुधवार को जेहलीटांड में हुई। बैठक की अध्यक्षता हाजी इस्लाम साहब व संचालन साबीर अंसारी ने किया। बैठक में मुहर्म्म मेला के सफल आयोजन को लेकर विषय रूप से चर्चा करते हुए मेला से संबंधी सभी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

टीपीसी ने बॉम्बे फैशन के मालिक से मांगी रंगदारी

खबर मन्त्र संवाददाता रांची। रातू थाना क्षेत्र में टीपीसी उग्रवादियों ने उधम मचा रहा है। प्रत्येक दिन किसी न किसी व्यवसायी से रंगदारी मांगना, नहीं देने पर जान मारने की धमकी देना उनकी नियति बन गयी है।

मामले को लेकर बरामद शव का थल बरामद

नामकुम। नामकुम थाना पुलिस ने क्षेत्र के जामचुआ के राबंगदा पहाड़ के नीचे एक युवक का सड़ा गला शव बरामद किया है। शव की पहचान जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के कोयनर डीबडीह निवासी राजू कच्छप के रूप में हुई है।

स्कूल में चिकन पार्टी पर मचा बवाल रांची। बेड़ो प्रखंड के एक सरकारी राजकीयकृत शिक्षकों पर स्कूल में चिकन पार्टी करने का आरोप।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर नामकुम में बैठक आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई।

नगड़ी में मेगा स्वयं सहायता समूह शिविर का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता पिस्कांगड़। बैंक आफ इंडिया नगड़ी शाखा के तत्वावधान में बुधवार को नगड़ी कोयल रस्तुरेंट में मेगा स्वयं सहायता समूह शिविर का आयोजन किया गया।

छात्रा से छेड़खानी को लेकर ग्रामीणों ने रोका बस

चान्ही। नेशनल हाईवे 75 मुख्य पथ पर स्थित करकट चौरा के निचयुएएस ग्रामीणों ने बुधवार को रांची से गुमला जाने वाली बस, जेएच06के - 6129, नामक यात्री बस को एक घंटे तक रोके रखा।

खबर मन्त्र संवाददाता

योजनाओं के लिए ऋण दस्तावेज प्रक्रिया पूरा करना है जिसे आप सभी को लोन लेने में कोई परेशानी का सामना करना पड़े। इन्होंने आगे कहा कि बैंक और स्वयं सहायता समूह का संबंध पिता पुत्र के जैसा है जिस तरह हमेशा चाहता है कि वेदा प्रगति के मार्ग चलाना चाहता है उसी तरह बैंक भी आप का विकास करना चाहता है शिविर आपके लिए है। समूह के विकास के लिए बैंक पूरी तरह तत्पर है सभी समूह इस शिविर का लाभ उठाएँ।

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। बुधवार को बीडीओ जाशंकर जयसवाल की अध्यक्षता में बूथ लेबल ऑफिसर एवं सभी बूथ लेबल पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बीडीओ जयसवाल ने सभी को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के संबंध में बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक घर का दो बार भ्रमण किया

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

नामकुम। बुधवार को मुहर्म्म त्योहार को लेकर नामकुम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

## नैतिकता बनाम सत्ता

विधायकों का रातों-रात पाला बदलकर दूसरे की सरकार में शामिल होना बताता है कि सत्ता के लिये परिवार व पार्टी के कोई मायने नहीं हैं। लेकिन एक बात तो साफ है कि दल-बदल निरोधक कानून आया राम-गवा राम की राजनीति पर अंकुश लगाने में नाकामयाब रहा है। बल्कि कहा जा सकता है कि सत्ता के लिये महत्वकांक्षी राजनेताओं ने कानून के प्रावधान में नये छिद्र तलाशे हैं। बल्कि यूँ कहें कि दलबदल का दायारा बड़ा हो गया है। इस बदलाव का संकेत यह भी है कि केन्द्र में सत्तारूढ़ दल सत्ता व अन्य ताकत के स्रोतों के जरिये किसी भी दल में तोड़फोड़ करने में सक्षम हो जाता है। राज्य में सरकार बनाने के लिये पहले भाजपा व शिवसेना का मिलकर चुनाव लड़ना और चुनाव के बाद भाजपा से नाता तोड़कर शिवसेना का कांग्रेस, राकांपा आदि दलों के साथ सरकार बनाना, फिर शिवसेना में विद्रोह और भाजपा के साथ बागी शिवसैनिकों का सरकार में शामिल होना बताता है कि कैसे राजनेता किसी दल विशेष के खिलाफ जनता से वोट मांगते हैं और फिर सत्ता सुख के लिये उसी विरोधी राजनीतिक दल के बगलगीर हो जाते हैं। निस्संदेह, ये मतदाताओं के साथ छल ही है। आप ने दूसरे मुद्दों पर वोट मांगा और किसी दल विशेष के खिलाफ जनादेश पाया और बाद में कुर्सी के लिये उसी दल की सरकार का हिस्सा हो गये। पिछले कुछ सालों में महाराष्ट्र में राजनीतिक विद्वेषता के साथ ही राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी खासे विवाद बढ़ा है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को सख्त टिप्पणी करनी पड़ी। लेकिन एक बात तो तय है कि कदम-कदम पर लोकतांत्रिक श्चिता का हनन जारी है। बहरहाल, सत्ता सुख के लिये राजनीतिक विद्वेषताओं का चेहरा सबके सामने उजागर हो गया है। देश में कुछ दशकों से परिवारवाद की राजनीति का जो विद्वेष चेहरा सामने आया है, यह उसकी परिणति ही है।

## प्रकृति की मार

वर्ष के कई राज्यों में बाढ़ के पानी में डूबे तमाम गांव-शहर इस त्रासदी की बानगी दिखा रहे हैं। कहीं बाढ़, कहीं भूस्खलन तो कहीं हिमस्खलन की घटनाएं लोगों को आतंकित कर रही हैं। लगातार होने वाली बाढ़ फटने की घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। पहाड़ों के दरकने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं तो वहीं आकाशीय बिजली से मरने वालों का आंकड़ा भी लगातार बढ़ा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रकृति का यह रौद्र रूप क्यों सामने आने लगा है? राजस्थान, दिल्ली मध्य प्रदेश सहित हिमाचल, उत्तराखंड भारी बरसात का कहर झेल रहे हैं वहीं उत्तर भारत के कुछ इलाके ऐसे भी हैं जहां भरपूर बारिश न होने से लोग परेशान हैं। प्रकृति विरोधी राजनीतिक व आर्थिक फैसलों ने उन कारकों को बढ़ावा दिया है जो ग्लोबल वार्मिंग के कारक बने। हमने विकास के जिस मॉडल को चुना है उसमें प्रदूषण उगलते कारखाने, सड़कों पर वाहनों का सैलाब, वातानुकूलन की संस्कृति, जंगलों के कटान व पहाड़ों से निर्माण व्यवहार ने तापमान बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उसके चर्चते हमारे मौसम के चक्र में ग्लोबल वार्मिंग का घातक असर नजर आ रहा है। दरअसल, कथित विकास के नाम पर हमने प्रकृति के साथ पिछली कुछ शताब्दियों में जो क्रूरता दिखाई है उसका खमियाजा इस पीढ़ी को भुगतना पड़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या ने भी प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाया है। जिसके चलते प्राकृतिक संसाधनों का अवैज्ञानिक तरीके से दोहन बढ़ा है। जिसने जलवायु परिवर्तन के कारकों में वृद्धि ही की है। कुल मिलाकर जल, जंगल व जमीन के साथ क्रूरता बरती गई है। प्रकृति के सहकर बनने के बजाय हमने शासक बनने की कोशिश की है। जब-जब ईसान इस लक्ष्मण रेखा को लांघता है प्रकृति उसका प्रतिकार करती है।

## आमंत्रण



धर्म-प्रताह

## अभिजीत

प्राचीन होकर भी सदा यौवन से भरपूर रहनेवाली उषा ने ऋग्वेद के 24वें सूक्त में अक्षर रूप धारण किया। रात्रि को खत्म कर दिन की शुरूआत करनेवाली उषा का गान ऋषियों ने काफी उत्साह से किया है। सूक्त में उनका वर्णन कुछ यों है : विलक्षण प्रभा और मधुरवाणी की प्रेरक सुंदरी ने द्वार खोले हैं। उषा को रात्रि अपना घर खोलकर निमंत्रण देती हैं। उषा अश्वत्थ पर सवार होकर सारे जग को जगाती हैं। 7. पृथिवी

बलित्था पर्वतानां खिद्रं विभार्षिं पृथिवी। प्र या भूमिं प्रवत्विं महा जिणोषि महिनि।। प्रकृति में ईश्वर देखने वाले ऋषियों ने पृथिवी में देवत्व देखा और पृथ्वी को देवी माना। सभी

जिवाओं को आश्रय देने वाली, पानी के प्रवाहों से गुणा शांत करनेवाली, वृक्ष-लताओं को फलने-फूलने देनेवाली, समस्त विश्व का पोषण करनेवाली पृथिवी देवी न होती, तो आश्चर्य था। ऋग्वेद और अथर्ववेद में पृथिवी के लिए अनेक ऋचाएं हैं। मसलन, पृथिवी विचरणशील मेघों को बरसने के लिए प्रेरित करती हैं। अपने सामर्थ्य के जरिए वनस्पतियों को धारण करती हैं। हे गुणवती, महिमावती पृथिवी देवी, अपने सामर्थ्य से हमारा संरक्षण करें। 8. विद्युत्

नमस्ते अस्तु विद्युते नमस्ते स्तनयिक्वे। नमस्ते अस्त्यश्मने येना दृशोऽस्य अस्वसि।। आसमान में बिजली और उसके बाद की गरज... बरसात का रौद्र रूप कुछ अलग-सा होता है। बिजली जब धरती पर गिरती है, तब उसका रूप ज्यादा उग्र होता है।

## कॉटून वर्ल्ड

## युद्ध की स्थिति



साभार कॉटन म्यूजियम

## लेटर टू एडीटर

## अंकुश लगे

वर्तमान समय में जब तकनीक का युग है, जहां आज हर कार्यक्रम की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग हो रही हो तो ऐसे में नेताओं द्वारा अपने भाषण में अत्यार्थित शब्दों का प्रयोग अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इस वजह से राजनीति का स्तर इतना नीचे गिर चुका है कि मर्यादा पसंद लोगों राजनीति में कदम रखने से पहले कतराने लगे हैं। इस पर जल्द से जल्द अंकुश लगना चाहिए।

-विजय महाजन, हजारीबाग

## शिक्षा का संकट

कोरोना की वजह से बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा का सहारा लेना पड़ा था। इसका बच्चों की शिक्षा पर बुरा असर पड़ रहा है। शहरी बच्चों में ऑनलाइन शिक्षा से पड़ पा रहे हैं लेकिन ग्रामीण बच्चों की हालत ठीक नहीं है। शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। ऑनलाइन शिक्षा की आदत लगने के बाद उनकी बौद्धिकता में कमी आई है और लेखन क्षमता में भी।

-राघव जैन, रांची

## अभिव्यक्ति



## फुटपाथ के दुकानदारों के भी कानूनी अधिकार हैं

आज देश की सौ करोड़ लोग बदतर जीवन जीने के मजबूर हैं वहां सरकारें सिर्फ घोषणा तक सीमित रह गयी हैं। आजन्ती के बाद की चौथी और पांचवीं पीढ़ी सड़क पर रोटी के लिये खड़ी है। पुलिस, स्थानीय गुंडे, नगर निगम के दलाल और युनियन के लोग भी वसूली लेते हैं। राजधानी रांची सहित देश के शहरों में इनकी हालत लगातार बदतर होती जा रही है। बीच-बीच में रूटीन वर्क में यातायात पुलिस उन्हें हटाती है कुछ दिनों के लिये फिर वहीं कहानी। निम्न और मध्यम वर्ग की जरूरत बने ये सड़क विक्रेता आखिर क्यों उदासीन है अपने अधिकारों से? चुनाव सर पर है और ऐसी कई योजना आम लोगों के बीच आ रही है। पूरे देश में वेंडर मन्थूषील एक्ट 1949 लागू था और समय-समय पर इसमें संशोधन भी किया गया था। मुम्बई महानगर पालिका ने 1882 में वेंडरों के लिये नियम पास किया।

वर्तमान दौर में भारत दुनिया के सबसे तेज शहरीकरण वाला देश है। गुजरात की सबसे ज्यादा आबादी 50 प्रतिशत शहरों में रह रही है वहीं बिहार की 11 प्रतिशत आबादी शहर में है। इस स्थिति में निम्न और मध्यम वर्ग का बड़ा रोजगार इन सड़कों के किनारे है। इस कारण इस नये पथ विक्रेता (जीविका संरक्षण और पथ विक्रय का विनियमन) विधेयक, 2012 पथ विक्रेता हाल ही में संयूनन हूप संसद के सत्र में पारित किया गया इसके बारे में विस्तार से जानने की आवश्यकता है।

विधेयक में पथ विक्रेताओं की जीविका के अधिकारों के संरक्षण, उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, देश के शहरों में रेहड़ी-पटरी पर सामान बेचने के विनियमन और अन्य सम्बन्ध मामलों का प्रावधान है। विधेयक का लक्ष्य स्ट्रीटवेंडरों के लिए अनुकूल माहौल पैदा करना है ताकि वे गरिमापूर्वक अपना कार्य कर सकें प्रस्तावित कानून से करीब एक करोड़ परिवारों को आजीविका संरक्षण प्रदान करने में मदद मिलने की संभावना है। आखिर जीने का अधिकार, रोजी रोटी से ही तो जुड़ा है। इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति के पंजीकरण, उसे विक्रेता प्रमाणपत्र जारी करने और स्ट्रीटवेंडर का पहचानपत्र प्रदान करने, उन्हें कुछ अधिकार देने, दायित्व सौंपने और प्रत्येक स्थानीय प्राधिकरण के अंतर्गत नगर विक्रय समिति की स्थापना करने जैसे प्रावधान शामिल हैं।



- मृत्युंजय प्रसाद

सभी वर्तमान स्ट्रीट वेंडरों के सर्वेक्षण और प्रत्येक पांच वर्ष में पुनः सर्वेक्षणकी व्यवस्था है, और यह प्रावधान है कि सर्वेक्षण पूरा होने तक किसी भी रेहड़ी पटरी-विक्रेताको हटाया या पुनः स्थापित नहीं किया जाएगा और सभी स्ट्रीट वेंडरों को सामान बेचने का प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार स्ट्रीट वेंडरों को तंग किए जाने के प्रति संरक्षण प्रदान करने और उनकी जीविका को बढ़ावा देने के सार्वभौम उपाय किए जाएंगे।

सभी वर्तमान स्ट्रीट वेंडरों के सर्वेक्षण और प्रत्येक पांच वर्ष में पुनः सर्वेक्षणकी व्यवस्था है, और यह प्रावधान है कि सर्वेक्षण पूरा होने तक किसी भी रेहड़ी पटरी-विक्रेताको हटाया या पुनः स्थापित नहीं किया जाएगा और सभी स्ट्रीट वेंडरों को सामान बेचने का प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार स्ट्रीट वेंडरों को तंग किए जाने के प्रति संरक्षण प्रदान करने और उनकी जीविका को बढ़ावा देने के सार्वभौम उपाय किए जाएंगे।

सहितवेंडरों के प्रतिनिधि शामिल किए जाएंगे, जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग, अल्पसंख्यक और अशक्त लोगों को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। विधेयक में व्यवस्था है कि टीवीसी के 40 प्रतिशत सदस्य चुनाव के जरिए स्ट्रीट वेंडरों में से ही होंगे, जिनमें एक तिहाई महिलाएं होंगी जहां कहीं पहचान किए गए स्ट्रीट वेंडरों की संख्या वेंडिंग जनों की क्षमता से अधिक होगी, वहां टीवीसी लाटरी निकाल कर उस वेंडिंग जोन के लिए प्रमाणपत्र जारी करेगी। शेष बचे लोगों को पड़ोस के वेंडिंग जोन में समायोजित किया जाएगा ताकि किसी को भी विस्थापित न हो। जिन स्ट्रीट वेंडरों को इस अधिनियम के लागू होने से पहले

## आपके

## ट्वीट

पहले परीक्षाओं के रिजल्ट आने में वर्षों लग जाते थे। हमने रिकॉर्ड दिनों में जेपीएससी अंतर्गत युवाओं को नियुक्ति दी। ऐसी हजारों नियुक्तियां दीं। पहले वेकेंसी का कोई ना कोई क्वेश्चन पेपर लोक कर दिया जाता था। और परिणाम प्रकाशित नहीं होता था।

- हेमंत सोरेन



उत्तराखंड के चमोली में करंट लगने से कई लोगों के हातहात होने का समाचार अत्यंत दुःखद है। स्थानीय प्रशासन घायलों की हर संभव मदद कर रहा है। मैं शोककुल परिवजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूँ।

-अपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री

## वैश्विक जनसंख्या को लेकर यूएनओ को चिंता

## सुधांशु कुमार

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की जनसंख्या शाखा के एक अनुमान के मुताबिक हमारा देश अगले वर्ष तक आबादी के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश बन जाएगा। इसके मुताबिक चालू वर्ष के दौरान भारत की आबादी चीन की आबादी के बराबर हो जाएगी। इनमें से प्रत्येक देश की जनसंख्या 1.4 अरब से कुछ अधिक होगी। बहरहाल ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर दोनों देशों की प्रजनन दर में ढांचणत बदलाव नहीं आया तो भारत की आबादी का बढ़ना जारी रहेगा जबकि चीन की आबादी कम होने लगेगी। इसी अनुमान के मुताबिक सन 2050 तक भारत की आबादी करीब 1.7

अरब होगी जबकि चीन की 1.3 अरब। हालांकि ये आंकड़े कुछ अन्य वैश्विक अनुमानों (मसलन द लान्सेट में गत वर्ष प्रकाशित अध्ययन समेत) से मेल नहीं खते लेकिन इनकी दिशा मेल खाती है। एक समय था जब बढ़ती आबादी को देश के जनांकिय लाभ के रूप में देखा जाता था। आज यह बात सुनने को नहीं मिलती। इसकी एक वजह यह भी है कि अब यह माना जाने लगा है कि जहां तक वृद्धि लाभांश के प्रतिनिधित्व की बात है तो भारत ने कामगारों की यह पीढ़ी बहुत खराब तरीके से तैयार की है। शैक्षणिक दक्षता भी उपयुक्त स्तर की नहीं है। कामगज पर देखा जाए तो स्कूली शिक्षा हासिल करने वालों की तादाद बढ़ी है। स्कूलों की गुणवत्ता पर ध्यान न दिए जाने से बच्चों में वे बुनियादी कौशल भी नहीं

## सागरिक

आ पा रहे हैं जो हाई स्कूल के बच्चों में होने चाहिए। दिल्ली के शहरी और आसपास के इलाकों के स्कूलों पर किया गया अध्ययन बताता है कि हाई स्कूल में पढ़ने वाले एक तिहाई बच्चों के पास बुनियादी गणितीय और भाषाई कौशल नहीं है। कई बच्चों का स्तर तो प्राथमिक विद्यालय के स्तर का है। इस तरह की श्रम शक्ति रोजगार बाजार के लिए शायद ही तैयार हो, और यह जनांकिय लाभ का प्रतिनिधित्व करती नहीं देखती। ऐसा कोई श्रम बाजार भी नहीं है जिसके लिए वे तैयारी कर सकें। यह सही है कि जून 2020 से जून 2021 के सावधिक श्रम शक्ति सर्वे से पता

चलता है कि इस अवधि में बेरोजगारी पिछले वर्ष से कम रही और इसका स्तर केवल 4.2 प्रतिशत रहा। बहरहाल, जैसा कि हम पहले भी कह चुके हैं, शीर्ष आंकड़े वास्तविक स्थिति दर्शाते हैं। यह बड़ी तादाद में स्वरोजगार वाले लोगों, काम की तलाश न करने वाले लोगों और कृषि कार्यों की और वापस लौट चुके लोगों को छिपा लेता है। श्रमिक आबादी अनुपात 40 फीसदी से कम है। जो रोजगार युवा भारतीय श्रमिकों से जनांकिय लाभांश तैयार कर सकते हैं वे न तो कृषि क्षेत्र में हैं और न ही स्वरोजगार में। जब तक बच्चों की बुनियाद मजबूत नहीं की जाएगी तब तक शायद व्यावसायिक शिक्षा देने के प्रयासों को भी अपेक्षित सफलता प्राप्त न हो सके। अगर हम दुनिया में सबसे कम

रोजगार अनुपात के साथ दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश बन जाते हैं तो यह एक बहुत बड़ी समस्या होने वाली है और भारत शायद इस आकस्मिकता को समझने और इससे निपटने में तत्परता दिखाने में पिछड़ रहा है। जब तक हम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती आबादी की मानव पूंजी नहीं बढ़ाते, भारत को समस्याओं का सामना करना होगा। ये समस्याएं केवल रोजगार और वृद्धि की आर्थिक समस्याएं नहीं होंगी बल्कि हमें सामाजिक समस्याओं का भी सामना करना होगा। हाल ही में सरकारी और सैन्य नौकरियों को लेकर दंगों जैसे जो हालात बने, उन्हें इसकी बानगी माना जा सकता है।

## संस्थापक

स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स

प्राइवेट लिमिटेड के लिए

मुद्रक, प्रकाशक

मंजू सिंह

द्वारा चिरंदा, बोडेया रोड, रांची

(झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक

अविनाश ठाकुर\*

फोन : 9570848433

पिन: -834006

e-mail

Khabarmantra.city@gmail.com

R.N.J No.

JHAHM/2013/51797

\*पीआरवी एक्ट के अंतर्गत खबरों

के चयन के लिए उत्तरदायी।

प्रकाशित खबरों से संबंधित

किसी भी विवाद का निपटारा

रांची न्यायालय में ही होगा।









# है प्रेम जगत का सार, सार कुछ और नहीं है

## एनके मुरलीधर

श्री श्री परमहंस योगानन्द ने अपने गौरव ग्रन्थ योगी कथामृत में आधुनिक भारत के महावतार बाबाजी के इस वचन का उल्लेख किया है, मैं अपने भौतिक शरीर का कभी त्याग नहीं करूंगा। मेरा यह भौतिक शरीर इस पृथ्वी पर कम से कम कुछ लोगों को सदा दिखाई देता रहेगा। इसी पुस्तक के माध्यम से इस संसार को पहली बार महान अवतार बाबाजी के बारे में पता चला था। उनके अनुयायी मानते हैं कि दैवी आदेश अथवा गहन विनम्रता के कारण ये एकान्तवासी महान लंबे अरसे से बद्दीनारायण के आसपास के उत्तरी हिमालय पर्वतों के पूर्ण निर्जन प्रदेश में अपने स्थूल शरीर में वास कर रहे थे। उनके अनुयायी मानते हैं कि महागुरु अपने शिष्यों के एक छोटे से समूह के साथ हिमालय के निर्जन पर्वतों में एक स्थान से दूसरे स्थान तक भ्रमण करते रहते हैं। अनासक्त महागुरु के रहस्यमय शब्द डेरा डण्डा उठाओ उनके शिष्यों के समूह के लिए सुक्ष्म शरीर के माध्यम से तत्क्षण किसी अन्य स्थान पर पहुंचने का संकेत होते हैं।

## परमहंस योगानन्द ने योगदा मठ की स्थापना की

जनवरी, 1894 में, प्रयागराज कुम्भ मेले में, बाबाजी ने स्वामी श्रीयुक्तेश्वरजी से भेंट की थी और उन्हें वचन दिया था कि वे उनके पास एक शिष्य को भेजेंगे, जिसे उनको क्रियायोग परम्परा में प्रशिक्षित करना होगा। वे विशेष शिष्य थे श्री श्री परमहंस योगानन्द, जिन्होंने कालान्तर में योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इण्डिया/सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की, जिसके माध्यम से एक शताब्दी से अधिक समय से ईश्वरीय सेवा की भावना के साथ प्राचीन क्रियायोग विज्ञान का प्रसार कार्य किया जा रहा है। अपना पवित्र कार्य प्रारम्भ करने के लिए पाश्चात्य जगत को प्रस्थान करने से पूर्व योगानन्दजी को दैवी आश्वासन की आवश्यकता अनुभव हुई। जैसा कि उन्होंने अपनी पुस्तक योगी कथामृत में लिखा है, ह्यअमेरिका जाने का संकल्प तो मेरे मन ने कर लिया था, पर साथ ही ईश्वर की अनुमति और आश्वासन-वाणी सुनने के लिए वह और भी अधिक कृतसंकल्प था।

25 जुलाई, 1920 को योगानन्दजी प्रातःकाल से ही अत्यन्त हृढ़ संकल्प के साथ प्रार्थना करने बैठ गए। जब उनकी प्रार्थना की उत्कटता पराकाष्ठा तक पहुंच गयी, ठीक उसी क्षण उनके कोलकाता स्थित घर के दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी। युवा शिष्य को हिमालय के सर्वव्यापी महागुरु का तेज ह्रस्वहर्षो सुर्खों के उदय के समान प्रतीत हो रहा था। उन्होंने मधुर स्वर में बात की, हां, मैं बाबाजी हूं। हम सबके परमपिता ने तुम्हारी प्रार्थना सुन ली है। उन्होंने मुझे तुमसे यह बताने का आदेश दिया है अपने गुरु की आज्ञा का पालन करो और प्रवास करो। डरो मत; तुम्हारा पूर्ण संरक्षण किया जायेगा। यह अनुभव श्री श्री लाहिड़ी महाशय के हृढ़ विश्वास का साक्षी है कि, श्रद्धापूर्वक स्मरण से भक्त को तत्क्षण आध्यात्मिक आशीर्वाद प्राप्त होता है।

## हिमालय के द्वाराहाट में बाबाजी का दर्शन

उस महत्वपूर्ण दिवस की स्मृति में सम्पूर्ण विश्व के भक्त प्रत्येक वर्ष 25 जुलाई को बाबाजी स्मृति दिवस के रूप में

## दया माता को हिमालय में दिया दर्शन

मानते हैं। बताते हैं अनेक वर्षों के पश्चात सन् 1963 में बाबाजी ने वाईएसएस/एसआरएफ की तीसरी अध्यक्ष दया माता को अपनी पूरी महिमा के साथ दर्शन दिये थे, जब वे हिमालय में द्वाराहाट के निकट पवित्र गुफा की तीर्थयात्रा पर गयी हुई थीं, जहां ऐसा माना जाता है कि बाबाजी ने कुछ समय तक निवास किया था। इसी पवित्र स्थल पर उन्होंने श्री श्री लाहिड़ी महाशयजी को क्रियायोग के लुप्त विज्ञान की दीक्षा प्रदान की थी। दया माताजी ने महागुरु से उनके सच्चे स्वरूप के विषय में जानने की इच्छा व्यक्त की थी तो उनके इस मधुर प्रश्न का उत्तर दिया था, मेरी प्रकृति प्रेम है क्योंकि केवल प्रेम ही इस संसार को परिवर्तित कर सकता है।

## आधुनिक युग महावतार

महावतार बाबाजी के जन्म और जीवन से सम्बंधित कोई ऐतिहासिक अभिलेख नहीं है। अपनी योगी कथामृत में परमहंस योगानन्दजी ने लिखा है कि अमर अवतार बाबाजी अनगिनत वर्षों से भारत के सुदूर हिमालय की कंदराओं में निवास करते हैं। बाबाजी कभी कभी सौभाग्यशाली शिष्यों के समक्ष प्रकट होते हैं।

## महावतार बाबा ने लुप्त वैज्ञानिक क्रिया योग को पुर्नजीवित किया

महावतार बाबाजी ने ही लुप्त हो चुकी इस वैज्ञानिक क्रियायोग की तकनीक को इस युग में पुनर्जीवित किया है। अपने शिष्य लाहिड़ी महाशय को क्रियायोग की दीक्षा देते हुए बाबाजी ने कहा था, हूँ मैं तुम्हारे माध्यम से उन्नीसवीं शताब्दी में जो क्रियायोग इस संसार को दे रहा हूँ, यह इसी क्रियायोग का पुनःप्रवर्तन है जिसे आज से सहस्रों वर्ष पूर्व श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था, तत्पश्चात जिसमें पतंजलि, जीसस क्राइस्ट, सेंट जॉन, सेंट पॉल और कुछ अन्य शिष्यों को दीक्षित किया गया था।

## परमहंस योगानन्द जी को 1920 को बाबा ने कहा डरो मत अमेरिका जाओ

1920 में परमहंस योगानन्दजी के अमेरिका गमन से कुछ पूर्व महावतार बाबाजी योगानन्दजी के कोलकाता स्थित निवास में उनके समक्ष प्रकट हुए थे। उस

समय युवा संन्यासी (योगानन्दजी) अपने उस महान-उद्देश्य जो उन्हें अमेरिका में पूरा करना था उसकी सफलता के लिए दैवीय आश्वासन हेतु गहन प्रार्थना कर रहे थे। बाबाजी ने उनसे कहा था, हूँअपने गुरु की आज्ञा का पालन करो और अमेरिका जाओ, डरो मत; तुम सुरक्षित रहोगे। पश्चिम में क्रियायोग का विस्तार करने के लिए मैंने तुम्हारा चुनाव किया है।

प्राचीन भारत में कृष्ण, राम, बुद्ध तथा पतंजलि जैसे अवतार हुए। दक्षिण भारत के एक अवतार अगस्त्य पर विपुल काव्य-साहित्य की रचना हुई है। उन्होंने ईसा के पूर्व और ईसा के बाद की अनेक शताब्दियों में अनेक चमत्कार किये हैं और उनके विषय में यह मान्यता है कि वे आज भी सशरीर इस संसार में विद्यमान हैं। भारत में बाबाजी का कार्य रहा है, जिन विशेष कार्यों के लिए अवतार इस जगत में आते हैं, उन कार्यों की पूर्ति में उनकी सहायता करना। इस प्रकार शास्त्रीय वर्गीकरण के अनुसार वे एक महावतार हैं। उन्होंने स्वयं बताया है कि संन्यास आश्रम के पुनःसंगठक एवं अद्वितीय तत्त्वज्ञानी जगद्गुरु आदि शंकराचार्य तथा सुप्रसिद्ध मध्ययुगीन संत कबीर को उन्होंने योग दीक्षा दी थी। 19वीं शताब्दी के उनके मुख्य शिष्य, जैसा कि हम जानते हैं, लाहिड़ी महाशय थे, जिन्होंने लुप्त क्रियायोग विद्या का पुनरुद्धार किया।

## बाबाजी ईसामसीह के संपर्क में रहते थे

बाबाजी सदा ईसामसीह के सम्पर्क में रहते हैं। वे दोनों मिलकर जगत के उद्धार के स्पन्दन भेजते रहते हैं और इस युग के लिए मोक्ष प्रदायिनी आध्यात्मिक विधि भी उन्होंने तैयार की है। एक शरीर में रहने वाले और दूसरे शरीर के बिना रहने वाले, इन दो पूर्ण ज्ञानी महागुरुओं का कार्य है राष्ट्रों को युद्ध, वंशविद्वेष, धार्मिक भेदभाव तथा भौतिकवाद की पलटकर आघात करने वाली बुराइयों को त्यागने के लिए प्रेरित करना। बाबाजी आधुनिक युग की प्रवृत्तियों से, विशेषतः पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव और उसकी जटिलताओं से पूर्णतः अवगत हैं, और पूर्व तथा पश्चिम, दोनों में समान रूप से योग के आत्मोद्धारक ज्ञान का प्रसार करने की आवश्यकता का उन्हें भान है। रंची और लॉस एंजेलस शहर में योगदा मठ आश्रम की स्थापना की गयी जो निश्चित तौर पर भारतीय अध्यात्म के उच्च शिक्षर है।

# भगवान शिव से जुड़ा है उतराखंड का रुद्र प्रयाग शिव की साक्षात अनुभूति के लिए जाना जाता है

उत्तराखंड में स्थित रुद्रप्रयाग अलकनंदा नदी के पांच प्रयाग में से एक है। अलकनंदा और मांदकिनी नदी यहां मिलती हैं। पवित्र स्थल केदारनाथ की यहां से दूरी महज 86 किलोमीटर है। हरिद्वार और ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से रुद्रप्रयाग पहुंचा जा सकता है।

कहा जाता है कि इसी जगह पर भगवान शिव ने नारद को आशीर्वाद दिया था और रुद्र अवतार में प्रकट हुए थे। हिमालय के नजदीक होने की वजह से यह जगह काफी खूबसूरत दिखाई पड़ती है और पर्यटक भी यहां आते रहते हैं। रुद्रप्रयाग में कई पवित्र मंदिर भी हैं जिसे देखने के लिए सालों भर भक्त पहुंचते हैं।

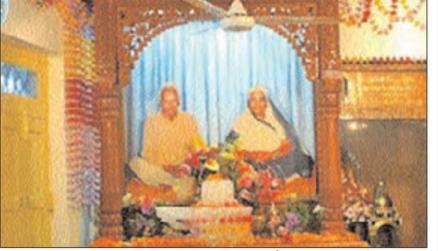
इनमें जगदंबा और शिव मंदिर प्रमुख हैं। इसके

साथ-साथ अलकनंदा नदी के पास स्थित कोटेश्वर मंदिर भी श्रद्धालुओं के बीच काफी प्रसिद्ध है। दिल्ली के रुद्रप्रयाग की दूरी करीब 357 किलोमीटर है।

केदारनाथ के अलावा बद्दीनाथ जाने के लिए भी रुद्रप्रयाग से रास्ता है। इसलिए यहां काफी संख्या में लोग आते रहते हैं। 2013 में उत्तरखंड में आई बाढ़ की वजह से रुद्रप्रयाग को काफी क्षति हुई थी। कई मकान और पुल ढह गए थे।

दुनिया के बेहतरीन स्थलों में हिमालय के इस संगम स्थल का शुमार है जिसके कारण पूरी दुनिया से लोग यहां भूमने आते हैं। निश्चित तौर पर देश दुनिया के लोग के लिए यह स्थल विशेषकर गर्मियों में एक बड़ा भ्रमण का स्थल है।

# आचार्य श्रीराम शर्मा वचनामृत



इस संसार में प्यार करने लायक दो वस्तुएँ हैं-एक दुख और दूसरा श्रम। दुख के बिना हृदय निर्मल नहीं होता और श्रम के बिना मनुष्यत्व का विकास नहीं होता। - आचार्य श्रीराम शर्मा  
संपदा को जोड़-जोड़ कर रखने वाले को भला क्या पता कि दान में कितनी मिठास है। - आचार्य श्रीराम शर्मा  
जीवन में दो ही व्यक्ति असफल होते हैं- एक वे जो सोचते हैं पर करते नहीं, दूसरे जो करते हैं पर सोचते नहीं। - आचार्य श्रीराम शर्मा  
मानसिक बीमारियों से बचने का एक ही उपाय है कि हृदय को घृणा से और मन को भय व चिन्ता से मुक्त रखा जाय। - आचार्य श्रीराम शर्मा  
मनुष्य कुछ और नहीं, भटका हुआ देवता है। - आचार्य श्रीराम शर्मा  
असफलता यह बताती है कि सफलता का प्रयत्न पूरे मन से नहीं किया गया। - श्रीराम शर्मा आचार्य  
शारीरिक गुलामी से बौद्धिक गुलामी अधिक भयंकर है। - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
ग्रन्थ, पन्थ हो अथवा व्यक्ति, नहीं किसी की अंधी भक्ति। - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
जैसी जनता, वैसा राजा। प्रजातन्त्र का यही तकाजा ॥ - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
केवल वे ही असंभव कार्य को कर सकते हैं जो अहृद्य को भी देख लेते हैं। - श्रीराम शर्मा आचार्य  
नहीं संगठित सज्जन लोग। रहे इसी से संकट भोग ॥ - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
आचार्य  
केवल वे ही वास्तविक पूँजी धन नहीं, विचार हैं। - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
मनुष्य की वास्तविक पूँजी धन नहीं, विचार हैं। - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
प्रज्ञा-युग के चार आधार होंगे - समझदारी, इमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
मन र्स्थिति बदले, तब परिस्थिति बदले। - पं श्रीराम शर्मा आचार्य  
रचनात्मक कार्यों से देश समर्थ बनेगा। - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
संसार का सबसे बड़ा दिवालिया वह है जिसने उत्साह खो दिया। - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
समाज के हित में अपना हित है। - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
सुख में गर्व न करें, दु:ख में धैर्य न छोड़ें। - पं श्री राम शर्मा आचार्य  
उसी धर्म का अब उत्थान, जिसका सहयोगी विज्ञान ॥ - श्रीराम शर्मा, आचार्य  
बड़प्पन अमीरी में नहीं, ईमानदारी और सज्जनता में सन्निहित है। - श्रीराम शर्मा आचार्य  
जो बच्चों को सिखाते हैं, उन पर बड़े खुद अमल करें तो यह संसार स्वर्ग बन जाय। - श्रीराम शर्मा आचार्य  
विनय अपयश का नाश करता है, पराक्रम अनर्थ को दूर करता है, क्षमा सदा ही क्रोध का नाश करती है और सवाचार कुलक्षण का अंत करता है। - श्रीराम शर्मा आचार्य  
जब तक व्यक्ति असत्य को ही सत्य समझता रहता है, तब तक उसके मन में सत्य को जानने की जिज्जासा उत्पन्न नहीं होती है। - पं. श्रीराम शर्मा  
अवसर तो सभी को जिन्दगी में मिलते हैं, किंतु उनका सही वक्त पर सही तरीके से इस्तेमाल कुछ ही कर पाते हैं। - श्रीराम शर्मा

# वैतन्य महाप्रभु के विचार



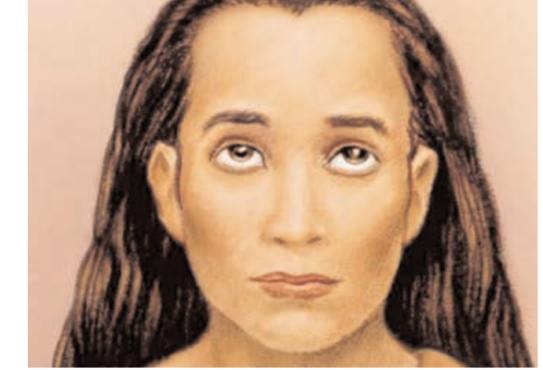
भगवान श्रीचैतन्य महाप्रभु जी ने कहा, 'एकादशी पालन शुद्ध भक्ति का अंग है, उसको न मानने से भक्ति का सर्वनाश हो जाएगा। एकादशी के दिन प्रसाद को प्रणाम करके, उसको अगले दिन पाओ, जब तिथि सम्पूर्ण हो जाए। एकादशी तिथि के दिन वैष्णव लोग केवल मात्र श्रीकृष्ण नाम रस का ही पान करते हुए तृप्त रहते हैं। वे न तो कोई अन्य रस लेते हैं, न ही अन्य कोई बात बोलते हैं। वैष्णव लोग इस दिन सभी प्रकार के भोगों का त्याग करते हैं।'  
'शुद्ध वैष्णव तो सदा प्रसाद का ही सेवन करते हैं, अन्य कोई द्रव्य तो वे चखते भी नहीं हैं। एकादशी के दिन तो वैष्णव जन निराहार रहते हैं व अगले दिन पारण करते हुए प्रसाद भोजन करते हैं। एकादशी के दिन वैष्णवजन केवल अनुकल्प अर्थात् अनरहित फलाहार का प्रसाद लेते हैं। जो अवैष्णव हैं वे एकादशी के दिन नाम प्रसाद को छल से दिन-रात अपना इन्द्रिय तर्पण करते हैं। पापियों के संग अनन्हार करते रहते हैं व हरिवासर व्रत को अर्थात् एकादशी व्रत को नहीं मानते हैं। भक्ति के सभी अंगों को मानने से, भक्ति का सम्मान करने से भक्ति देवी की कृपा प्राप्त होती है। अतः अवैष्णव का संग छोड़, एकादशी का व्रत पालन करना चाहिए।'  
प्रसाद सेवन व हरिवासर आपस में विरोधी नहीं हैं, हमें अन्तर समझना चाहिए। भक्ति के एक अंग को मानता और दूसरे से द्वेष करता हो, उस व्यक्ति को बुद्धिहीन जानो। हरिभक्ति के जो भी अंग हों, उसकी जो भी विधि हो, देश-काल नियमानुसार उसको एकान्त भाव से पालन करते हुए भक्ति मार्ग में अग्रसर हो जाओ। सभी भक्ति-अंगों के अधिपति श्रीव्रजेन्द्रनन्दन हैं, जिससे वे सन्तुष्ट होते हों, वही पालन करो।  
एकादशी के दिन निद्रा-अहार का वर्जन कर, अन्य दिनों में प्रसाद का निर्मल चित्त से सेवन करना चाहिए। एकादशी का विधान भगवान श्रीचैतन्य महाप्रभु जी से सुनकर सभी वैष्णव बड़े प्रसन्न हुए तथा आनन्द से 'गोविन्द-गोविन्द' पुकारने लगे। राय रामानन्द जी, स्वरूप दामोदर जी इत्यादि 'उड़िया' 'गोड़िया' सभी भक्तों को बड़ा आनन्द आया। हे भाई! श्रीगौरांग महाप्रभु हमारे प्राणधन हैं। निकफट भाव से उनका भजन करो, वे तुम्हें इस भव-सागर से पार कर देंगे तथा साथ ही साथ तुम्हारे शरीर व मन को भी शीतलता प्रदान करेंगे।

# परमहंस योगानन्दजी की योगी कथामृत (अध्याय 33) से उद्धृत

## आधुनिक भारत के महावतार बाबाजी

बद्दीनाथ के आसपास के उत्तरी हिमालय के पहाड़ आज भी लाहिड़ी महाशय के गुरु बाबाजी की जीवन्त उपस्थिति से पावन हो रहे हैं। जन संसर्ग से दूर निर्जन प्रदेश में रहने वाले ये महागुरु शताब्दियों से, शायद सहस्राब्दियों से अपने स्थूल शरीर में वास कर रहे हैं। मृत्युंजय बाबाजी एक अवतार हैं। इस संस्कृत शब्द का अर्थ है नीचे उतरना। यह अव, अर्थात् नीचे और तु, अर्थात् तरण शब्दों से बना है। हिंदू शास्त्रों में अवतार शब्द का प्रयोग ईश्वरत्व का स्थूल शरीर में अवतरण के अर्थ में होता है।

बाबाजी की आध्यात्मिक अवस्था मानवी आकलन शक्ति से परे है, श्रीयुक्तेश्वरजी ने एक दिन मुझे बताया। मनुष्यों की अल्प बुद्धि को उनकी परात्पर अवस्था का ज्ञान कभी नहीं हो सकता। इस अवतार के योगेश्वर्य की केवल कल्पना करने का प्रयास भी व्यर्थ है। यह अकल्पनीय है। उपनिषदों में आध्यात्मिक उन्नति की प्रत्येक अवस्था का सूक्ष्मातिस्मृम्य वर्गीकरण किया गया है। सिद्ध पुरुष जीवन



मुक्त अवस्था (जीवित अवस्था में मुक्ति लाभ) से आगे बढ़ने पर परामुक्त अवस्था (सम्पूर्ण मुक्त - मृत्यु पर विजय) में प्रवेश करता है। परामुक्त पुरुष माया के नागपाश और जन्म-मरण के चक्र से पूर्णतः मुक्त हो चुका होता है। इसलिए परामुक्त कदाचित ही पुनः स्थूल शरीर धारण करता है; और यदि वह पुनः जन्म लेता है, तो संसार पर ईश्वर की आशीर्वाद-वर्षा का माध्यम बन कर आता है। उसे ही अवतार कहते हैं। अवतार पर

सृष्टि के कोई नियम लागू नहीं होते; उसका शुद्ध शरीर प्रकाश की मूर्ति मात्र होता है, उस पर प्रकृति का कोई ऋण नहीं होता। सामान्य दृष्टि को अवतार बाबा जी के शरीर में कोई असाधारण बात नजर नहीं आती; परन्तु कभी-कभी प्रसंगानुरूप उस शरीर की न तो छाया पड़ती है, न ही जमीन पर पर्वचन्द्र बनता है। ये माया के अंधकार और भौतिक बन्धनों से आंतरिक मुक्ति के बाह्य प्रतीकात्मक प्रमाण हैं। केवल ऐसा भागवत पुरुष ही जीवन और

मृत्यु की परस्पर सम्बद्धता के पीछे विद्यमान सत्य को जानता है। उमर खय्याम ने, जिन्हें लोगों ने पूर्णतः गलत समझा है, ऐसे मुक्त मानव के विषय में अपने अमर ज्ञानकाव्य रूबाइयों में लिखा है : ओ सुहासिनी, ओ विधुवदनी, तेरी आभा है अक्षय। प्रिये देख, हो रहा चन्द्रमा स्वच्छ गगन पर पुनः उदय। होगा कितनी बार आज के बाद यह उदय इसी प्रकार। और इसी झुरमुट में मुझको खोज-खोज जायेगा हार।।

अक्षय आभा युक्त सुहासिनी, विधुवदनी, प्रिया पराशक्ति अर्थात् ईश्वर है जो एकमात्र कालदोषरहित, स्वयं तेज से भी तेजस्वी शाश्वत तारा है। स्वच्छ गगन पर पुनः उदित चन्द्रमा तो बाह्य सृष्टि है जो उदय-अस्त के नियतकालिक आवर्तनों के नियम से बँधी हुई है। आत्म-साक्षात्कार के द्वारा इस फारसी सन्त ने अपने आपको इस जगत्में या माया, अर्थात् प्रकृति के झुरमुट में बार-बार लौट आने की विवशता से सदा के लिए मुक्त कर लिया था। और इसी झुरमुट में मुझको खोज-खोज जायेगा हार। किसी चिरमुक्त





